E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 249 | गुवाहाटी | मंगलवार, 14 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भ्रष्टाचार पर लगाएंगे रोक, कल्याणकारी योजनाओं पर लगेगा धन : अमित शाह — पेज 2

असमिया जीवन के लिए नई आशा का संदेश लेकर आएगा रंगाली बिहू : दिलीप सैकिया — पेज 3

बिहार का अगला मुख्यमंत्री वही होगा, जिसे नीतीश कुमार का आशीर्वाद प्राप्त ... — पेज 5

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटाया जाना चाहिए : कीरोन पोलार्ड — पेज 7

**सूचना**

सभी एजेंटों, हॉकरों, ग्राहकों और विज्ञापनदाताओं को **विकसित भारत समाचार** परिवार की ओर से रंगाली बिहू और असमिया नववर्ष की शुभकामनाएं। इस उपलक्ष्य में 14 और 15 अप्रैल को कार्यालय में अवकाश रहेगा। हम 17 अप्रैल के अंक के साथ आपकी सेवा में पुन: प्रस्तुत होंगे।

– संपादक

**सुप्रभात**

*संयम विवेक देता है, ध्यान एकाग्रता प्रदान करता है। शांति, संतुष्टी और परोपकार मनुष्यता देती है।*

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

## असम राज्यव्यापी रंगाली उत्सव के लिए तैयार

# आज गोरु बिहू

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** असम में जातीय और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक रंगाली बिहू का उत्साह अब चरम पर पहुंच गया है। राज्य के गांवों से लेकर शहरों तक हर ओर उत्सव का माहौल देखने को मिल रहा है। ढोल, पेपा और गगना की गूंज से पूरा वातावरण बिहूमय हो चुका है और लोग इस ऐतिहासिक पर्व के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बिहूवा डेका (युवा) और बिहूवती (युवतियां) पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे नजर आ रहे हैं। वहीं, प्रियजनों को उपहार देने के लिए बिहूवान (असमिया गमछा और अन्य पारंपरिक वस्त्र) की खरीदारी अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। 14 अप्रैल से शुरू होने वाले इस पर्व के लिए विभिन्न स्थानों पर बिहुतली (सांस्कृतिक मंच) तैयार किए जा रहे हैं, जहां गीत-संगीत और नृत्य के कार्यक्रम आयोजित होंगे। वसंत ऋतु के मनोहारी वातावरण के बीच 14 अप्रैल को गोरु बिहू के साथ उत्सव की शुरुआत होगी। बोहाग बिहू के पहले दिन मनाए जाने वाले गोरु बिहू में गाय, भैंस जैसे पालतू पशुओं को सुबह नदी, तालाब या झील में स्नान कराया जाता है। इस दौरान हल्दी, बैंगन और अन्य पारंपरिक सामग्रियों का उपयोग कर पशुओं की पूजा की जाती है, जिससे पूरे वर्ष समृद्धि की कामना की जाती है। शाम के समय पशुओं को जूट से बने नए पगहा (रस्सी) बांधने की परंपरा निभाई जाती है। कृषि पर आधारित असमिया समाज इस पर्व को खेती की शुरुआत से पहले बड़े उत्साह और आस्था के साथ मनाता है। खेतों की उर्वरता बढ़ाने के उद्देश्य से युवा-युवतियां नृत्य और गीतों के माध्यम से खुशी का इजहार करते हैं। आज भी बिहू गीत और बिहू नृत्य असम की सांस्कृतिक आत्मा बने हुए हैं। गीतों की धुन सुनते ही हर उम्र के लोग झूम उठते हैं। कई गांवों में हुसरी बिहू की परंपरा आज भी जीवित है, जिसमें युवक-युवतियां घर-घर जाकर नृत्य-गीत प्रस्तुत करते हैं और आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। गोरु बिहू के अगले दिन मानुह बिहू मनाया जाता है, जिसमें छोटे-बड़े एक-दूसरे को सम्मान देते हैं और आशीर्वाद लेते हैं। इस अवसर पर प्रियजनों को बिहूवान या गामोछा भेंट करने की परंपरा भी निभाई जाती है। हालांकि समय के साथ बोहाग बिहू का स्वरूप खेतों से मंचों तक पहुंच गया है, लेकिन इसके प्रति लोगों की आस्था और उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। असम के लोग हर साल आने वाले इस प्रिय पर्व के स्वागत में पूरी तरह डूबे हुए हैं और गांव-शहर हर जगह तैयारियां पूरे जोश के साथ जारी हैं।

## पंचतत्व में विलीन हुई आशा भोसले, बेटे ने दी मुखाग्नि

**मुंबई ( हि.स. )।** भारतीय संगीत की दिग्गज गायिका आशा भोसले सोमवार को पंचतत्व में विलीन हो गईं। 92 वर्ष की आयु में रविवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में मल्टी-ऑर्गन फेल्योर के कारण उनका निधन हो गया था। उनके निधन से देशभर में शोक की लहर है। सोमवार को उनके पार्थिव शरीर को सुबह 11 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक लोअर परेल स्थित उनके निवास *कासा ग्रांडे* में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। इसके बाद उनकी अंतिम यात्रा दादर स्थित शिवाजी पार्क के लिए रवाना हुई। करीब पांच किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर हजारों प्रशंसकों का –शेष पृष्ठ दो पर

## ठाणे में दो वाहनों की टक्कर में 11 की मौत, एक घायल

**मुंबई ( हि.स. )।** महाराष्ट्र के ठाणे जिले में कल्याण-अहिल्या नगर हाईवे पर रायते गांव के पास सोमवार सुबह एक सिमेंट मिक्सर वाहन और पिकअप वाहन की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में एक वृद्ध –शेष पृष्ठ दो पर

## कांग्रेस ने लोस सदस्यों को जारी किया व्हिप

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** कांग्रेस ने लोकसभा के अपने सदस्यों को व्हिप जारी करते हुए कहा है कि वे आगामी 16 से 18 अप्रैल तक होने वाली सदन की तीन दिवसीय विशेष बैठक में मौजूद रहें तथा पार्टी के रुख का समर्थन करें। कांग्रेस ने आधिकारिक बयान में कहा कि 16 से 18 अप्रैल तक लोकसभा में महत्वपूर्ण विषयों पर विचार और मतदान होना है, इसलिए सभी सांसदों की उपस्थिति अनिवार्य है। पार्टी ने अपने सदस्यों के लिए यह –शेष पृष्ठ दो पर

## बिहू समेत विभिन्न पर्वों की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का देशवासियों को संदेश

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बोहाग बिहू, विशु, विषुव, बैसाखी, पोइला बैसाख, मेषादी, वैशाखादि और पुत्थान्डु की पूर्व संध्या पर देश और विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। ये सभी पर्व 14 और 15 अप्रैल को देश के विभिन्न हिस्सों में मनाए जाएंगे। अपने संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि ये त्योहार देश के अलग-अलग क्षेत्रों में विभिन्न रूपों में मनाए जाते हैं और फसल कटाई के –शेष पृष्ठ दो पर

## पवन खेड़ा केस में सुप्रीम कोर्ट पहुंची असम पुलिस

**नई दिल्ली।** असम पुलिस ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को दी गई अग्रिम जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। यह जमानत तेलंगाना हाई कोर्ट ने उस मामले में दी थी, जो असम में उनके खिलाफ दर्ज किया गया है। राज्य सरकार ने हाई कोर्ट के इस आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। दरअसल तेलंगाना हाईकोर्ट ने खेड़ा को एक हफ्ते की अग्रिम जमानत दे दी है। कोर्ट की जज न्यायमूर्ति सुजाना कलासिकम ने कहा कि पवन खेड़ा को एक हफ्ते –शेष पृष्ठ दो पर

## परेश बरुवा के आवास पर नहीं हुई कोई गोलीबारी जन्मदिन की आतिशबाजी का था शोर : असम पुलिस

**गुवाहाटी।** पुलिस ने सोमवार को कहा कि असम के डिब्रूगढ़ जिले में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (अल्फा-स्वा) के कमांडर-इन-चीफ परेश बरुआ के आवास के पास शुरू में गोलीबारी के रूप में बताई गई आवाजें वास्तव में पास में ही एक जन्मदिन समारोह के दौरान दागी गई *आसमान में चलाई गई गोलियां* थीं। यह स्पष्टीकरण तब आया जब परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि रविवार की आधी रात के कुछ ही समय बाद चाबुआ के अंतर्गत जेराइगांव में बरुआ के आवास पर अज्ञात बदमाशों ने गोलीबारी की थी। खबरों के मुताबिक कम से कम दो गोलियों की आवाज सुनी गई, जिससे संभावित सुरक्षा उल्लंघन को लेकर चिंता पैदा हो गई। हालांकि, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि युवकों –शेष पृष्ठ दो पर

## वेतन बढ़ाने को लेकर नोएडा में श्रमिकों का उपद्रव

*कई वाहनों और फैक्टरियों में की तोड़फोड़ व आगजनी, कई हिरासत में*

**नोएडा ( हि.स. )।** वेतन बढ़ोतरी सहित विभिन्न मांगों को लेकर नोएडा के कई इलाकों में धरना प्रदर्शन कर रहे श्रमिकों का आंदोलन सोमवार को काफी उग्र और हिंसक हो गया। श्रमिकों ने दो दर्जन से ज्यादा वाहनों में तोड़फोड़ कर आगजनी की गई। कई फैक्टरियों में तोड़फोड़ की गई और पुलिस पर पथराव किया। पुलिस ने नियंत्रण करने के लिए बल का प्रयोग कर और आंसू गैस छोड़ी। पुलिस ने कार्रवाई कर दो दर्जन से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया है। दरअसल, नोएडा के कई सेक्टरों में श्रमिक अपनी मांगों को लेकर कई दिन से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। सोमवार को श्रमिकों ने उग्र होकर नोएडा के सेक्टर 63, सेक्टर 62, सेक्टर 15, फेस-दो औद्योगिक क्षेत्र, सूरजपुर,नॉलेज पार्क क्षेत्र, दादरी क्षेत्र, ईकोटेक- प्रथम क्षेत्र के औद्योगिक एरिया में मजदूरों ने धरना प्रदर्शन किया। उग्र श्रमिकों ने कई जगह पर जाम लगा दिया। कई जगह पुलिस और श्रमिकों के बीच तीखी नोंक झोंक हुई। कई जगह पुलिस को बल प्रयोग और आंसू गैस के इस्तेमाल भी करने पड़े हैं। श्रमिकों ने पुलिस पर पथराव किया है। श्रमिकों ने उग्र प्रदर्शन के दौरान दो दर्जन से ज्यादा वाहनों में तोड़फोड़ कर आगजनी की गई है। कई –शेष पृष्ठ दो पर

## महिला आरक्षण नहीं परिसीमन असली मुद्दा : सोनिया गांधी

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि देश में मौजूदा राजनीतिक बहस का केंद्र महिला आरक्षण नहीं, बल्कि परिसीमन होना चाहिए। बिना पारदर्शी प्रक्रिया, स्पष्ट मानकों और व्यापक सहमति के किया गया परिसीमन न केवल राज्यों के बीच प्रतिनिधित्व के संतुलन को बिगाड़ सकता है, बल्कि यह संघीय ढांचे और संवैधानिक व्यवस्था पर भी असर डाल सकता है। उन्होंने इसे एक गंभीर और दूरगामी प्रभाव वाला मुद्दा बताया। सोनिया ने एक अंग्रेजी अखबार में लिखे अपने लेख में कहा कि सरकार महिला आरक्षण के मुद्दे को प्रमुखता देकर असली चिंता से ध्यान हटा रही है। महिला आरक्षण का प्रावधान पहले ही पारित किया जा चुका है, लेकिन –शेष पृष्ठ दो पर

*नीतीश कुमार आज देंगे इस्तीफा...*

## बिहार में कल नए मुख्यमंत्री की ताजपोशी

**पटना।** बिहार में नए मुख्यमंत्री को लेकर कवायद तेज हो गई है। कल यानी मंगलवार को कैबिनेट की आखिरी बैठक के बाद नीतीश कुमार इस्तीफा देंगे। 15 अप्रैल को 11 बजे लोकभवन में शपथ ग्रहण होगा। राज्यपाल के सचिव गोपाल मीणा ने तैयारियों के लिए बैठक बुलाई है। इससे पहले कल यानी मंगलवार को 2 बजे भाजपा विधायक दल की बैठक होगी। यह बैठक भाजपा जनता पार्टी के –शेष पृष्ठ दो पर

## तमिलनाडु में *डबल इंजन सरकार* से विकास को मिलेगी नई रफ्तार : नरेंद्र मोदी

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु में भाजपा-नीत राजग को जनता बदलाव की उम्मीद के साथ देख रही है और कार्यकर्ताओं की मेहनत से एक सकारात्मक माहौल तैयार हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि तमिलनाडु में *डबल इंजन सरकार* बनती है, तो विकास कार्यों की रफ्तार और तेज हो जाएगी। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु भाजपा के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ वर्चुअल माध्यम से *मेरा बूथ सबसे मजबूत संवाद – तमिलनाडु* कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे छोटे-छोटे समूह में बैठकें आयोजित करें और अपने अनुभव साझा करें। उन्होंने विशेष रूप से युवा मतदाताओं तक पहुंच बनाने पर जोर देते हुए कहा कि उन्हें बताना चाहिए कि सत्ता में न होने के बावजूद राजग ने राज्य के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। किसानों के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने –शेष पृष्ठ दो पर

## पाकिस्तान में सख्त लॉकडाउन!

*आवाजाही बंद व बाजार सील, शहर छावनी में तबदील*

**पेशावर।** पाकिस्तान में बलोचिस्तान प्रांत के नौशकी जिले में सुरक्षा बलों ने कड़ा लॉकडाउन लागू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, शहर में नागरिकों की आवाजाही पर सख्त पाबंदी लगा दी गई है और सभी प्रमुख रास्तों को सील कर दिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रविवार सुबह से ही भारी संख्या में सुरक्षाबल तैनात कर दिए गए। नौशकी के बाजार, काजीआबाद, ग्रिड स्टेशन और गरीबाबाद जैसे इलाकों में चेकपोस्ट बनाकर लोगों की आवाजाही रोक दी गई। कई जगहों पर स्थिति ऐसी हो गई कि शहर पूरी तरह *घेराबंदी* जैसा नजर आने लगा। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय बाजार बंद करा दिए गए हैं और लोगों को शहर में आने-जाने से रोक दिया गया है। इससे आम नागरिकों –शेष पृष्ठ दो पर

## नारी शक्ति वंदन अधिनियम 21वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक : प्रधानमंत्री

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि *नारी शक्ति वंदन अधिनियम* का लागू होना 21वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। यह अधिनियम न केवल महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल है, बल्कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे को भी नई मजबूती देगा। प्रधानमंत्री ने विज्ञान भवन में *नारी शक्ति वंदन सम्मेलन* को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है, जो अतीत के सपनों को साकार करेगा और भविष्य के संकल्पों को पूरा करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह निर्णय नारी शक्ति को समर्पित है और देश के विकास की यात्रा में महिलाओं की भूमिका अब पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मोदी ने बताया कि संसद के आगामी सत्र में इस अधिनियम को प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में आगे बढ़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि 16 अप्रैल से शुरू होने वाले विशेष सत्र के माध्यम से इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे, जिससे पंचायत स्तर से लेकर संसद तक महिलाओं की भागीदारी को और आसान बनाया जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक संरचना –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

# भ्रष्टाचार पर लगाएंगे रोक, कल्याणकारी योजनाओं पर लगेगा धन : अमित शाह

**कोलकाता/रानीगंज ( हि.स. )।** अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली के दौरान बड़ा दावा करते हुए कहा कि यदि राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनती है तो भ्रष्टाचार पर रोक लगाकर जो धन बचाया जाएगा, उसी का उपयोग जनता के कल्याण के लिए किया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए घोषित मासिक सहायता योजना को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब दिया। पश्चिम बर्धमान जिले के रानीगंज में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पार्टी के संकल्प पत्र में महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को 3,000 रुपए मासिक सहायता देने का वादा किया गया है। इस पर ममता बनर्जी द्वारा उठाए गए वित्तीय स्रोत के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाकर जो धन वसूला जाएगा, वही इन योजनाओं पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार के दौरान *सिंडिकेट राज* चल रहा है और मवेशी तस्करी, कोयला व बालू खनन, शिक्षक भर्ती, राशन वितरण और नगर निकायों में नियुक्तियों में व्यापक भ्रष्टाचार हुआ है। शाह ने कहा कि इन सभी मामलों की जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने भरोसा जताया कि आगामी चुनाव के दोनों चरणों 23 अप्रैल और 29 अप्रैल में ऐसी पुख्ता व्यवस्था होगी कि किसी भी मतदाता को डराने-धमकाने की हिम्मत नहीं होगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल से जुड़े गुंडे मतदान के दिन घरों में ही रहें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। दिन में बोलपुर और खैरासोल में रैलियों के बाद यह शाह की तीसरी सभा थी। उन्होंने दावा किया कि पार्टी पश्चिम बर्धमान जिले की सभी सीटों पर जीत हासिल करने का लक्ष्य लेकर चल रही है और चार मई को मतगणना के बाद राज्य में सरकार बनाएगी। बंगाल में नहीं बनने देंगे बाबरी मस्जिदहालिया राजनीतिक विवादों पर टिप्पणी करते हुए शाह ने पूर्व विधायक हुमायूं कबीर को लेकर तृणमूल कांग्रेस के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि कबीर को अलग इकाई मानना गलत है और वह सत्तारूढ़ दल से ही जुड़े हुए हैं। उन्होंने यह भी दोहराया कि राज्य में बाबरी मस्जिद जैसी किसी संरचना के निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी। शाह ने घुसपैठ के मुद्दे पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि अवैध घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें बाहर किया जाएगा। उन्होंने यह भी वादा किया कि सीमा सुरक्षा बल को आवश्यक जमीन 45 दिनों के भीतर उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही, पार्टी के संकल्प पत्र के अनुरूप समान नागरिक संहिता लागू करने की बात भी उन्होंने दोहराई।

# कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ खड़ी हम डरेंगे नहीं : राहुल गांधी



**नई दिल्ली ( हि.स. )।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां पर लगाए गए आरोपों के बाद दर्ज हुई एफआईआर मामले में कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा का समर्थन किया है। राहुल गांधी ने कहा कि हम डरेंगे नहीं। कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ खड़ी है। राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में असम के मुख्यमंत्री को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया। उन्होंने कहा कि शर्मा अपने राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों को परेशान करने के लिए अपनी मुख्यमंत्री की सरकारी ताकत का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। यह संविधान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि पवन खेड़ा ने मुख्यमंत्री की पत्नी पर जो आरोप लगाए हैं, उनकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने सरकार संचालन में पारदर्शिता की वकालत करते हुए कहा कि पारदर्शिता, सत्ता की जवाबदेही और कानून का राज संवैधानिक मूल्यों का आधार है। मामले की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम डरेंगे नहीं। कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ खड़ी है। उल्लेखनीय है कि 5 अप्रैल को पवन खेड़ा ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां पर संयुक्त अरब अमीरात, एंटीगुआ-बरमूडा और मिस्र समेत तीन अलग-अलग देशों के चालू पासपोर्ट रखने और अमेरिका के वायोमिंग और यूएई में बिना चुनाव आयोग को बताए करोड़ों की संपत्ति रखने का आरोप लगाया था। हालांकि शर्मा ने इन दावों को दुर्भावनापूर्ण और मनगढ़ंत बताते हुए खारिज कर दिया था और 48 घंटे के भीतर कानूनी कार्रवाई करने की बात कही थी।

## अवैध लकड़ी से लदा ट्रक पलटा, चालक फरार

**शोणितपुर ( हिंस )।** शोणितपुर जिले के रंगापाड़ा इलाके में अवैध लकड़ी से लदे एक ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। यह घटना सोमवार की सुबह रंगापाड़ा के नंबर 2 बहुमारी गांव में हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिना पंजीकरण नंबर का उक्त छह पहिया ट्रक रंगापाड़ा से ढेकियाजुली की ओर जा रहा था। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे ट्रक सड़क किनारे पलट गया। ट्रक में भारी मात्रा में अवैध लकड़ी लदी हुई थी। दुर्घटना के बाद चालक और खलासी मौके से फरार हो गए, जिससे अवैध तस्करी की आशंका और गहरा गई है। घटना की सूचना मिलते ही रंगापाड़ा पुलिस तथा आमारीबाड़ी वन क्षेत्र के वनकर्मियों की एक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। वन विभाग के सूत्रों के अनुसार, जब्त की गई लकड़ी की अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपए बताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि शोणितपुर जिले में अवैध लकड़ी तस्करी की गतिविधियों में वृद्धि को लेकर लंबे समय से शिकायतें सामने आती रही हैं।

## गुजरात में ट्रक ने श्रद्धालुओं को कुचला, सात की मौत

**सुरेंद्रनगर ( हि.स. )।** गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में एक सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा जिले में लखतर-विरमगाम राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ, जहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने पैदल जा रहे श्रद्धालुओं को कुचल दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सड़क हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। लखतर पुलिस के मुताबिक रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे श्रद्धालुओं का एक समूह राजकोट से बहुचराजी माता मंदिर दर्शन के लिए पैदल जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक ट्रक ने नियंत्रण खो दिया और श्रद्धालुओं को रौंदता हुआ आगे निकल गया। इस हादसे में 6 श्रद्धालुओं और सड़क किनारे खड़े एक डंपर चालक की मौत हो गई। मृतकों में 5 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं। घटना के बाद क्षेत्र के विधायक पी.के. परमार और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर सांत्वना दी। हादसे के बाद आरोपित ट्रक चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

## भारत की आध्यात्मिक शक्ति से विश्व सुरक्षित : मोहन भागवत

**नागपुर ( हि.स. )।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि जब तक भारत का अस्तित्व बना रहेगा, तब तक पूरी दुनिया सुरक्षित रहेगी। डॉ. भागवत ने यहां सोमवार को पंचकल्याणक प्रतिष्ठा गजरथ महोत्सव के दौरान संतों की एक सभा को संबोधित करते हुए देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक श्रेष्ठता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की आत्मा है और उसकी उपस्थिति वैश्विक संतुलन के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में भौतिकवाद और उपभोक्तावाद के बढ़ते प्रभाव ने कई समाजों को कमजोर कर दिया है, लेकिन भारत इन चुनौतियों के बीच भी अडिग बना हुआ है। भारत के पास ऐसी आध्यात्मिक ज्ञान और बुद्धिमत्ता है, जो अन्य देशों में दुर्लभ है। इतिहास का उल्लेख करते हुए सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि ग्रीस, मिस्र और रोम जैसी प्राचीन सभ्यताएं समय के साथ समाप्त हो गईं, लेकिन भारत की सभ्यता आज भी जीवित और सशक्त है। उन्होंने इस निरंतरता का श्रेय देश के संतों, महापुरुषों और पूर्वजों से प्राप्त ज्ञान को दिया। उन्होंने कहा कि हमारे अस्तित्व का रहस्य वह ज्ञान है जो हमें अपने संतों से मिला है। जब भी विश्व किसी संकट का सामना करता है, भारत ही आगे का मार्ग दिखाता है। संघ प्रमुख ने संतों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा प्रसारित आध्यात्मिक ज्ञान ही भारत की असली ताकत है, जो देश को बाहरी प्रभावों से सुरक्षित रखती है।

## देश में सामान्य से कम बारिश का अनुमान मौसम विभाग की शुरुआती रिपोर्ट जारी

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 को लेकर शुरुआती पूर्वानुमान जारी किया है। इस बार देश में मानसूनी बारिश सामान्य से कम रहने की संभावना है। जून से सितंबर के बीच होने वाली कुल वर्षा लगभग 92 प्रतिशत लॉन्ग पीरियड एवरेज (यानी किसी क्षेत्र में एक निश्चित अवधि में 30 या 50 वर्षों की दर्ज की गई औसत वर्षा) रहने का अनुमान है, जिसमें ह5 प्रतिशत की संभावित त्रुटि हो सकती है। देश के लिए एलपीए (1971-2020 के आधार पर) 87 सेंटीमीटर तय है। आईएमडी ने सोमवार को जारी पूर्वानुमान में बताया कि फिलहाल प्रशांत महासागर में कमजोर ला नीना जैसी स्थिति बनी हुई है, जो धीरे-धीरे ईएनएसओ न्यूट्रल की ओर बढ़ रही है। हालांकि, मानसून सीजन के दौरान एल नीनो बनने की संभावना जताई गई है, जो बारिश को प्रभावित कर सकता है। हिंद महासागर में इस समय इंडियन ओसियन डायपोल (आईओडी) न्यूट्रल स्थिति है, लेकिन मानसून के अंत तक पॉजिटिव आईओडी विकसित होने की संभावना है।

# पृष्ठ एक का शेष

### पंचतत्व में विलीन ...

हुजूम उमड़ पड़ा। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने अपनी प्रिय *आशा ताई* को फूलों की वर्षा कर भावभीनी विदाई दी। आशा भोसले का पार्थिव शरीर फूलों से सजी गाड़ी में शिवाजी पार्क ले जाया गया। गाड़ी को उनके पसंदीदा सफेद और पीले फूलों से सजाया गया था। उस पर उनकी एक बड़ी तस्वीर लगी थी। जैसे ही उनका पार्थिव शरीर वाहन में रखा गया, पुलिस बैंड ने शोक धुन बजाकर उन्हें सम्मान दिया। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अंतिम यात्रा शिवाजी पार्क पहुंची, जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। अंतिम संस्कार के दौरान महाराष्ट्र पुलिस ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ बेटे आनंद भोसले ने अपनी मां को मुखाग्नि दी। इस दौरान पूरा परिवार बेहद भावुक नजर आया। वहीं उनकी पोती जनई भोसले फूट-फूटकर रोती दिखीं। इस भावुक माहौल में सिंगर शान और सुदेश भोसले ने उनका लोकप्रिय गीत गाकर उन्हें अंतिम विदाई दी, जिससे माहौल और भी भावुक हो उठा। आशा भोसले के अंतिम दर्शन के लिए फिल्म और संगीत जगत की कई बड़ी हस्तियां श्मशान भूमि पहुंचीं। इस दौरान आमिर खान, विक्की कौशल, उदित नारायण, अनूप जलोटा और अनु मलिक सहित कई कलाकारों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। महान गायिका आशा भोसले ने हिंदी, बंगाली और मराठी सहित विभिन्न भाषाओं में 12000 से अधिक गानों को अपनी जादुई आवाज दी। उनका जाना सिर्फ एक महान कलाकार का निधन नहीं, बल्कि भारतीय संगीत के एक युग का अंत है। उनकी आवाज और उनके गीत सदियों तक श्रोताओं के दिलों में जीवित रहेंगे।

### बिहू समेत विभिन्न...

मौसम का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि इन पर्वों के माध्यम से हम धरती माता और अन्नदाता किसानों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, कृषि परंपराएं और राष्ट्रीय एकता इन उत्सवों के माध्यम से झलकती हैं। उन्होंने कामना की कि ये सभी पर्व देशवासियों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाएं तथा सभी को राष्ट्र और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रेरित करें।

### पवन खेड़ा केस ...

का समय दिया जाता है ताकि वह संबंधित कोर्ट में जाकर नियमित जमानत के लिए आवेदन कर सकें। यह मामला असम पुलिस द्वारा दर्ज किया गया था। पवन खेड़ा पर आरोप है कि उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा को लेकर गंभीर आरोप लगाए थे। पवन खेड़ा ने 5 अप्रैल को दावा किया था कि मुख्यमंत्री की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेश में संपत्ति है, जिसकी जानकारी चुनावी हलफनामे में नहीं दी गई। दरअसल, असम पुलिस, दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर पवन खेड़ा से पूछताछ करने उनके आवास पर पहुंची थी, लेकिन वे वहां मौजूद नहीं मिले। यह कार्रवाई उस मामले में की जा रही थी जिसमें खेड़ा ने हिमंता विश्व शर्मा की पत्नी पर तीन विदेशी पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया था। इस बीच, पवन खेड़ा ने अग्रिम जमानत के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने अदालत में अपना आवासीय पता हैदराबाद बताया और गिरफ्तारी की स्थिति में राहत देने की मांग की। बताया जा रहा है कि उनका तेलंगाना से पारिवारिक संबंध है और हैदराबाद में उनका निजी निवास भी है। साथ ही, राज्य में कांग्रेस की सरकार होने को भी इस कदम से जोड़कर देखा जा रहा है। मामले ने तब तूल पकड़ा जब पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनकी पत्नी रिनिकी शर्मा पर गंभीर आरोप लगाए। पवन खेड़ा ने दावा किया कि रिनिकी शर्मा के पास तीन अलग-अलग देशों के पासपोर्ट हैं और उनके समर्थकों के पास ऐसे दस्तावेज हैं जो इस कथित खुलासे को साबित करते हैं। उन्होंने इसे स्वतंत्र भारत की राजनीति में एक बड़ा मामला बताया।

### परेश बरुवा के आवास ...

के एक समूह ने आवास से लगभग 150 मीटर की दूरी पर जश्न के तौर पर गोलियां चलाई थीं। हमारी जांच से पता चला है कि कुछ युवकों ने बरुआ के आवास से लगभग 150 मीटर की दूरी पर रात 12:04 और 12:05 बजे के बीच गोलियां चलाईं। वे जन्मदिन मना रहे थे और उन्होंने एक वीडियो रिकॉर्ड किया था। परिवार के सदस्यों ने गोली की आवाज को निशाना बनाकर की गई गोलीबारी समझ लिया, अधिकारी ने कहा। पुलिस ने घर से सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की और पाया कि चमकने का समय रिपोर्ट की गई आवाजों के समय से मेल खाता है। हमने पुष्टि की है कि आसमान की तस्वीरें लेने का समय और फ्लैश का दिखना आपस में मेल खाते हैं। आगे की जांच जारी है, अधिकारी ने बताया। दिन की शुरुआत में, परिवार के सदस्यों ने दावा किया था कि घटना सीसीटीवी में कैद नहीं हुई और सवाल उठाया था कि घर पर सुरक्षा तैनात होने के बावजूद ऐसी घटना कैसे हो सकती है। घटनास्थल पर तैनात एक सुरक्षा गार्ड ने कहा था कि गोलियां दूर से चलाई गई प्रतीत होती हैं और कोई कारतूस बरामद नहीं हुआ है, जिससे शुरू में लक्षित हमले का संदेह पैदा हुआ है। इस आवास की सुरक्षा असम पुलिस के जवान, जिनमें एक निजी सुरक्षा अधिकारी भी शामिल है, द्वारा शिफ्टों में की जाती है। यह घटना अपने समय के कारण भी चर्चा में आई थी, क्योंकि यह घटना अल्फा-आई के स्वयंभू मेजर जनरल अरुणोदय दोहोतिया, जिन्हें बिजीत बरुआ के नाम से भी जाना जाता है, के म्यांमार में आतंकवादी शिविरों को छोड़ने के बाद उसी क्षेत्र में अपने घर लौटने के ठीक दो दिन बाद हुई थी। सूत्रों ने बताया कि 2000 और 2001 में भी आवास के पास इसी तरह की गोलीबारी की घटनाएं सामने आई थीं। पुलिस ने कहा कि आगे की जांच जारी है।

### वेतन बढ़ाने को लेकर...

फैक्ट्रियों में भी तोड़फोड़ की गई है। कई पुलिस वाहन को भी क्षतिग्रस्त किया है। पथराव और मारपीट में कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पुलिस ने दो दर्जन से ज्यादा श्रमिकों को हिरासत में लिया है। वीडियो के आधार पर मुकदमा दर्ज कर अन्य की गिरफ्तारी के प्रयास किया जा रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अफवाह फैलाने वाले कुछ लोगो के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले को गंभीरता को देखते हुए एक हाई लेवल समिति गठित की है। समिति के सदस्यों ने आज ही नोएडा पहुंच कर अपना काम शुरू कर दिया है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि औद्योगिक विकास आयुक्त, उत्तर प्रदेश को इस उच्चस्तरीय समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। समिति में अपर मुख्य सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, उत्तर प्रदेश तथा प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन विभाग, उत्तर प्रदेश को सदस्य के रूप में नामित किया गया है। इसके अतिरिक्त सदस्य सचिव के रूप में उत्तर प्रदेश (कानपुर) से नामित अधिकारी को सम्मिलित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस समिति में श्रमिक संगठनों के पांच प्रतिनिधि एवं उद्यमी संघों के तीन प्रतिनिधि भी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त उच्चस्तरीय समिति जनपद गौतमबुद्ध नगर में पहुंच चुकी है। प्राथमिकता के आधार पर संबंधित प्रकरण का परीक्षण करते हुए अपनी आख्या शीघ्र ही शासन को प्रस्तुत करेगी। धरना प्रदर्शन के दौरान श्रमिकों ने मीडिया कर्मियों को भी नहीं बक्शा। *गोदी मीडिया* के नारे लगाते हुए कई मीडिया कर्मियों के साथ मारपीट की गई, तथा कुछ के कैमरा छीन लिए गए। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह, डीएम मेधा रूपम और पुलिस के आला अधिकारी लगातार हालात पर नजर बनाए रखें हुए है तथा मौके पर पहुंचकर य अधिकारी पल-पल की की जानकारी ले रहे है। श्रमिकों के प्रदर्शन के बाद पुलिस ने कार्रवाई सख्त कर दी है। सोशल मीडिया पर पुलिस की फायरिंग मे 14 लोगों की मौत और 32 घायल होने की खबर का पुलिस ने खंडन करते हुए कहा कि यह झूठी खबर है। पुलिस ने ट्विटर हैंडल पर यह खबर फैलाने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि पुलिस हर स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने बताया कि श्रमिकों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की कुछ बातें यहां के उद्योगपतियों ने मान ली है। उन्होंने बताया कि श्रमिक अलग-अलग जगह पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इनका कोई नेतृत्व नहीं कर रहा है। इसकी वजह से भी श्रमिकों तक प्रशासन को अपनी बात पहुंचाने में काफी कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा कि तोड़फोड़ आगजनी और उपद्रव करने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई करनी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि दो दर्जन से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। तोड़फोड़ और उपद्रव करने वालों की वीडियो के आधार पर पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किया जा रहे हैं। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह और जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर मेधा रूपम ने कहा कि श्रमिकों की ज्यादातर मांगें मान ली गई हैं। श्रमिकों से अपील करते हुए कहा कि श्रमिक शांति बनाए रखें तथा कानून व्यवस्था को अपने हाथ में ना लें। इसके बावजूद भी श्रमिक आंदोलन से पीछे हटने को तैयार नहीं है। श्रमिकों के आंदोलन के चलते कई जगह पुलिस को यातायात डायवर्जन करना पड़ा। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने बताया कि उद्योगपतियों और विभिन्न औद्योगिक संगठनों के नेताओं के साथ हुई बैठक में स्पष्ट किया गया कि शासन की गाइडलाइन के के अनुसार किसी भी श्रमिक को अनावश्यक रूप से सेवा से नहीं निकाला जाएगा। ओवरटाइम का भुगतान दोगनी दर से किया जाएगा तथा उसमें किसी प्रकार की कटौती नहीं की जाएगी। औद्योगिक संगठन के नेता ललित ठुकराल ने कहा कि यह धरना प्रदर्शन प्रायोजित है। कुछ बाहरी तत्व श्रमिकों को भड़काकर यह धरना प्रदर्शन करवा रहे हैं। उनके अनुसार श्रमिकों की ज्यादातर मांगे मान ली गई है। इसके बावजूद भी श्रमिक काम पर नहीं लौट रहे हैं।

### बिहार में कल नए ...

कार्यालय में होगी। बैठक में सभी विधायक के साथ-साथ केंद्रीय कृषि मंत्री और ऑब्जर्वर शिवराज सिंह चौहान मौजूद रहेंगे। बैठक में भाजपा विधायक दल का नेता चुना जाएगा। विधायक दल का नेता ही मुख्यमंत्री बनेगा। इसके बाद फिर शाम में 4 बजे एनडीए विधायक दल की बैठक होगी। एनडीए की बैठक में नीतीश कुमार ही नए मुख्यमंत्री के नाम का प्रस्ताव करेंगे। इसके पहले नीतीश कुमार राजभवन जाकर इस्तीफा देंगे। एनडीए विधायक दल के नेता के नेतृत्व में कल ही सरकार बनाने का दावा पेश होगा। सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर जेडीयू के वरिष्ठ नेताओं और मंत्रियों की बैठक हुई, जिसमें नई सरकार में पार्टी की भूमिका और उपमुख्यमंत्री पद को लेकर चर्चा की गई। सुबह जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, मंत्री जमा खान और वरिष्ठ नेता बिजेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। मुख्यमंत्री आवास पर करीब एक घंटे तक चली इस बैठक में सरकार गठन से जुड़े कई मुद्दों पर बातचीत हुई। दरअसल, आज मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार का आखिरी पूरा दिन है और आज नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के रूप में आखिरी दिन भी बिहार में विकास कार्यों का जायजा ले रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जैसे ही दोपहर बाद अपने काफिले के साथ मुख्यमंत्री आवास से निकले। कयासों का दौर शुरू हो गया। क्या नीतीश राजभवन जा रहे हैं, किसी को मनाने जा रहे हैं, मंत्रिमंडल फाइनल करने जा रहे हैं और नीतीश कुमार पहुंच गए जेपी सेतु होते छपरा के बाकरपुर जहां सीएम नीतीश ने फोरलेन निर्माण और पुल निर्माण का निरीक्षण किया।

### तमिलनाडु में डबल इंजन ...

कहा कि उनका कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचाने के लिए बिचौलियों की भूमिका समाप्त की गई है। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत तमिलनाडु के किसानों को हजारों करोड़ रुपए सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए हैं। इसके अलावा फसल बीमा योजना के अंतर्गत भी किसानों के दावों का बड़े पैमाने पर निपटान किया गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में तमिलनाडु में 11 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं और मेडिकल सीटों की संख्या दोगुनी हो गई है। उन्होंने इसे मध्यम वर्ग के सपनों को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। साथ ही रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग और हवाई अड्डों से जुड़े कई बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर तेजी से काम होने का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुद्रा योजना के तहत लाखों युवाओं, छोटे व्यापारियों और विशेष रूप से महिलाओं को बिना गारंटी के ऋण उपलब्ध कराया गया है, जिससे स्वरोजगार को बढ़ावा मिला है। केंद्र सरकार का प्रयास है कि योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने राज्य की डीएमके सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उसके रवैये के कारण कई गरीब और पात्र परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं उठा पाए। उन्होंने कहा कि सही सर्वेक्षण न होने और पात्र लोगों के नाम सूची में शामिल न किए जाने से लाखों परिवार पक्के घर से वंचित रह गए। प्रधानमंत्री ने कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ड्रग्स और अवैध शराब का नेटवर्क बढ़ रहा है, जिससे युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की गैरकानूनी गतिविधियों को राज्य सरकार का संरक्षण मिल रहा है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने कहा कि डीएमके सरकार में भ्रष्टाचार व्यवस्था का हिस्सा बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई मंत्री और विभाग अनियमितताओं में संलिप्त हैं और भ्रष्टाचार, कमीशन तथा कलेक्शन राज्य सरकार की पहचान बनते जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे उन लोगों की पहचान करें जो अभी भी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हैं और उन्हें जागरूक करें। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में राजग सरकार बनने पर हर पात्र परिवार को पक्का घर उपलब्ध कराया जाएगा और विकास का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने इसे *मोदी की गारंटी* बताते हुए कार्यकर्ताओं से इसे जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह किया।

### पाकिस्तान में सख्त ...

की रोजमर्रा की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हुई है। इससे एक दिन पहले किल्ली कादिराबाद इलाके में भी सुरक्षा बलों ने एक ऑपरेशन चलाया था। वहां कई घंटों तक घेराबंदी रही और गोलीबारी की आवाजें सुनाई दीं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस दौरान दो लोगों आबिद मेंगल और ताहिर खान को हिरासत में लिया गया और उन्हें अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। इस पर अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। पिछले दो महीनों से नौशकी में आंशिक कर्फ्यू जैसे हालात बने हुए हैं। बाजार शाम को जल्दी बंद कर दिए जाते हैं और सुबह 9 बजे के बाद ही खुलने की अनुमति होती है। रात के समय आवाजाही पर पूरी तरह रोक रहती है। बलूचिस्तान में जबरन गायब किए जाने और कथित फर्जी मुठभेड़ों के मामलों को लेकर पहले से ही मानवाधिकार संगठनों की चिंता बनी हुई है। इन घटनाओं के कारण स्थानीय लोगों में डर, गुस्सा और सरकार के प्रति अविश्वास लगातार बढ़ रहा है।

### महिला आरक्षण नहीं...

इसके क्रियान्वयन को जनगणना और परिसीमन प्रक्रिया से जोड़ दिया गया है, जिससे इसमें अनावश्यक देरी हो रही है। उन्होंने लिखा कि साल 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देने का प्रावधान है, लेकिन इसे लागू करने के लिए अगली जनगणना और उसके बाद परिसीमन अनिवार्य कर दिया गया है। जब राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तो इसे पहले भी लागू किया जा सकता था। सोनिया गांधी ने कहा कि परिसीमन की प्रक्रिया को लेकर अब तक कोई आधिकारिक खाका सामने नहीं आया है। यह केवल जनसंख्या के आधार पर सीटों का बंटवारा करने का मामला नहीं है, बल्कि इसमें राजनीतिक और क्षेत्रीय संतुलन का भी ध्यान रखना जरूरी है, ताकि जनसंख्या नियंत्रण में सफल राज्यों के साथ अन्याय न हो। उन्होंने कहा कि जनगणना में लगातार हो रही देरी का असर कई सरकारी योजनाओं और अधिकारों पर पड़ रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून जैसे प्रावधानों का लाभ भी पूरी तरह लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है। सोनिया गांधी ने कहा कि सरकार विशेष सत्र बुलाने में जल्दबाजी कर रही है, जबकि इतने महत्वपूर्ण विषय पर पहले सभी दलों के साथ चर्चा होनी चाहिए। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सहमति और संवाद अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि सरकार को सभी राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर इस मुद्दे पर स्पष्टता लानी चाहिए और फिर किसी भी संवैधानिक संशोधन की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

### नारी शक्ति वंदन अधिनियम...

में महिलाओं को आरक्षण देने की आवश्यकता दशकों से महसूस की जा रही थी। इस विषय पर लगभग चार दशक से विमर्श चल रहा है। विभिन्न राजनीतिक दलों और पीढ़ियों के प्रयासों से यह संभव हो पाया है। वर्ष 2023 में जब यह अधिनियम संसद में पारित हुआ, तब सभी दलों ने सर्वसम्मति से इसका समर्थन किया था। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार भी संवाद, सहयोग और सहभागिता के माध्यम से इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संसद की गरिमा और लोकतंत्र की मजबूती के लिए यह सामूहिक प्रयास आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के उदाहरण भी दिए। उन्होंने कहा कि आज देश में राष्ट्रपति से लेकर वित्त मंत्री तक महत्वपूर्ण पदों पर महिलाएं कार्यरत हैं और उन्होंने देश का गौरव बढ़ाया है। इसके साथ ही उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं को महिला नेतृत्व का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि देश में 14 लाख से अधिक महिलाएं स्थानीय निकायों में सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं और लगभग 21 राज्यों में पंचायतों में उनकी भागीदारी 50 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। उन्होंने इसे भारत के लोकतंत्र की बड़ी उपलब्धि बताया। मोदी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे, तब उन्हें एक ऐसी ग्राम पंचायत की महिलाओं से मिलने का अवसर मिला, जहां सभी सदस्य महिलाएं थीं। एक साधारण शिक्षित महिला प्रधान का यह लक्ष्य कि गांव में कोई गरीब न रहे, आज भी उन्हें प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से निर्णय प्रक्रिया में संवेदनशीलता आई है और इससे प्रशासनिक व्यवस्थाएं अधिक प्रभावी हुई हैं। यही कारण है कि सरकार ने महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने बताया कि जनधन योजना के तहत 32 करोड़ से अधिक महिलाओं के बैंक खाते खोले गए, जिससे उन्हें वित्तीय प्रणाली से जोड़ा गया। इसके अलावा मुद्रा योजना के तहत 60 प्रतिशत से अधिक ऋण महिलाओं को दिए गए हैं, जिससे वे उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम में भी महिलाओं की मजबूत भागीदारी है और 42 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक है। उन्होंने इसे *वूमेन-लेड डेवलपमेंट* की दिशा में बड़ी सफलता बताया।

### ठाणे में दो वाहनों की ...

महिला घायल है। इस घटना की जांच टिटवाला पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। पुलिस अधिकारी के अनुसार पिकअप वाहन में चालक समेत कुल 12 लोग सवार थे। वाहन मुरबाड़ से कल्याण की ओर जा रहा था। सुबह 11 बजे के करीब रायते गांव के पास बने नए पुल पर पिकअप वाहन सामने से आ रहे सिमेंट मिक्सर वाहन से टकरा गया। इससे पिकअप वाहन में सवार लोग उसमें फंस गए। टिटवाला पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इनमें से 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक वृद्ध महिला घायल है। उसे मुरबाड़ सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। बाद में उन्हें निजी अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। मृतकों में नौ लोगों पहचान हुई है, जबकि दो की पहचान के प्रयास जारी हैं। मृतकों में मुरबाड़ निवासी प्रशांत उर्फ बबलू रूपेश चंदाने (21), भूषण घोरपड़े (49), गोविंदा केम्बरी (50), अनंत पवार, दीपक गवली, गणपत जैनू माधे, स्नेहा मोहपे (22), मानसी मोहपे (20) और प्रथमेश मोहपे (17) शामिल हैं। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि पिकअप वाहन की क्षमता सिर्फ छह यात्रियों की थी, लेकिन पिकअप वाहन में 11 लोग सवार थे। सरनाईक ने कहा कि यह घटना बहुत दुखद है, जांच में जो दोषी पाए जाएंगे, उनपर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

### कांग्रेस ने लोस ...

व्हिप उस वक्त जारी किया है जब सरकार संसद के मौजूदा बजट सत्र के तहत हो रही इस तीन दिवसीय बैठक में महिला आरक्षण अधिनियम को लागू करने से संबंधित संशोधन एवं परिसीमन से जुड़े विधेयकों को पेश करने की तैयारी में है।

## असमिया जीवन के लिए नई आशा का संदेश लेकर आएगा रंगाली बिहू : दिलीप सैकिया

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम में बहाग महीना केवल एक ऋतु नहीं, बल्कि असमिया समाज की जीवनधारा और उम्मीद का प्रतीक माना जाता है। इसी पावन अवसर पर असमिया नववर्ष और रंगाली बिहू पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा है। रंगाली बिहू और असमिया नववर्ष के अवसर पर असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने राज्य के सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने हर जाति, धर्म, भाषा और समुदाय के लोगों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। पार्टी मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन से जारी अपने संदेश में सैकिया ने कहा कि रंगाली बिहू की तरह ही असम के लोगों का जीवन भी रंगों से भर जाए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पर्व समाज में नई ऊर्जा का संचार करेगा और लोगों के बीच एकता, उल्लास और समृद्धि को बढ़ावा देगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने अपने संदेश में यह भी कहा कि नया वर्ष सभी के लिए अच्छे स्वास्थ्य, खुशहाली और प्रगति लेकर आए। साथ ही उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि असम में शांति, सौहार्द और विकास का वातावरण बना रहे और राज्य निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो।

## गौरव गोगोई ने हमें पूरी तरह धोखा दिया : अजीजुर रहमान

**गुवाहाटी ( हिंस )।** रायजर दल के दलगांव से उम्मीदवार अजीजुर रहमान ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्होंने उन्हें पूरी तरह से धोखा दिया और चुनाव प्रचार के दौरान किसी प्रकार का सहयोग नहीं किया। रहमान ने कहा कि वह खुद इस स्थिति के भुक्तभोगी हैं और उन्हें न तो गौरव गोगोई से और न ही कांग्रेस पार्टी से कोई मदद मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रचार अभियान के दौरान कांग्रेस की ओर से कोई सहयोग नहीं दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि गौरव गोगोई ने उन्हें 30 सेकेंड का एक प्रचार वीडियो देने का वादा किया था, लेकिन आज तक वह वीडियो भी उपलब्ध नहीं कराया गया। रहमान के इन बयानों से राज्य में कांग्रेस और उसके सहयोगी दल रायजर दल के बीच तालमेल को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

## साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता हुई प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस नियुक्त

**गुवाहाटी ( हिंस )।** साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात असमिया साहित्यकार अनुराधा शर्मा पुजारी को महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के रूप में नियुक्त किया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, विश्वविद्यालय ने असमिया साहित्य और पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए उन्हें यह सम्मानजनक शैक्षणिक दायित्व सौंपा है। उनके अनुभव और व्यावहारिक ज्ञान से विश्वविद्यालय के शैक्षणिक माहौल को समृद्ध करने की उम्मीद जताई जा रही है। अनुराधा शर्मा पुजारी एक चर्चित लेखिका और पूर्व संपादक रही हैं, जिन्होंने समकालीन असमिया साहित्य को नई दिशा दी है। विश्वविद्यालय से उनके जुड़ने से विद्यार्थियों को संवाद, व्याख्यान और मार्गदर्शन के माध्यम से लाभ मिलने की संभावना है।

## रंगाली बिहू के अवसर पर बजाली में राज्य स्तरीय मैराथन दौड़ प्रतियोगिता आयोजित

**बजाली ( हिंस )।** रंगाली बिहू के अवसर पर बजाली के पश्चिम कठालमुरी स्थित जोनाकी संघ के तत्वावधान में आज प्रात: राज्य स्तरीय मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह मैराथन दौड़ आज सुबह लगभग 5-30 बजे पाटाचारकुची से प्रारंभ होकर नित्यानंद चारिआली होते हुए पश्चिम कठालमुरी स्थित जोनाकी संघ के प्रांगण में संपन्न हुई। लगभग 25 किलोमीटर लंबी इस दौड़ का उद्घाटन पाटाचारकुची के प्रागज्योतिष क्लब के पदाधिकारी नितुल शर्मा ने किया। इस प्रतियोगिता में कुल 29 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। परिणामों के अनुसार गोलाघाट जिले के खुमटाई के तीखेश्वर कुर्मी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि मोरीगांव जिले के सूर्य दास द्वितीय और गुवाहाटी के कुंभ देउरी तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर प्रथम से सातवें स्थान तक के विजेताओं को आयोजन समिति की ओर से नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। रंगाली बिहू के उल्लासपूर्ण माहौल में आयोजित इस मैराथन प्रतियोगिता ने स्थानीय लोगों में खासा उत्साह पैदा किया।

## पूसीरे ने मालीगांव में जुबीन गर्ग रेलवे बिहूतली का किया विकास

**गुवाहाटी ( हिंस )।** पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने राजधानी गुवाहाटी के मालीगांव स्थित बिहू और अन्य महत्वपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक नया सांस्कृतिक स्थल *बिहूतली* विकसित किया है। असमिया गायक जुबीन गर्ग को हार्दिक श्रद्धांजलि देते हुए, इसका नाम *जुबीन गर्ग रेलवे बिहुतली* रखा गया है, जो पूरे असम में इस कलाकार के प्रति गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव और श्रद्धा को दर्शाता है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि इस बिहूतली को कई आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया गया है, जिसमें एक स्थायी मंच क्षेत्र, डाइनिंग हॉल, शौचालय परिसर, कम्युनिटी स्पेस, चारदीवारी और हर मौसम के लिए उपयुक्त ग्राउंड शामिल है। यह नया विकसित ग्राउंड, 14 से 17 अप्रैल तक पांडु बिहू सम्मिलनी, मालीगांव द्वारा आयोजित वार्षिक रंगाली बिहू समारोह की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसी सिलसिले में, हाल ही में इस नए विकसित ग्राउंड पर बिहू पूर्व एक उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पारंपरिक बिहू समारोहों के बीच, पूसीरे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम में रेल अधिकारियों, स्थानीय निवासियों और सांस्कृतिक प्रेमियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। मुख्य रूप से उपस्थित जुबीन गर्ग की बहन पाल्मी बरठाकुर ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्होंने इस महान कलाकार को दिए गए सम्मान के लिए परिवार की ओर से आभार व्यक्त किया। यह पहल पूसीरे की क्षेत्रीय संस्कृति का उत्सव मनाने और समाज में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली हस्तियों को सम्मानित करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। बिहूतली का नामकरण जुबीन गर्ग की चिरस्थायी विरासत का प्रतीक है, विशेष रूप से बिहू के जीवंत उत्सव के दौरान, जिनका असम वासियों के दिलों में एक विशेष स्थान है।

## तेजपुर विश्वविद्यालय के प्रो. कुसुम कुमार बनिया सहित 11 लोगों पर एफआईआर दर्ज

### इंजीनियर जेसी नाथ ने दोषियों पर कार्रवाई की मांग की

**तेजपुर।** तेजपुर विश्वविद्यालय एक बार फिर साजिश के आरोपों से घिर गया है। इस बार मामला और भी गंभीर हो गया है, जिसमें प्रोफेसर कुसुम कुमार बनिया सहित कुल 11 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गई है। इंजीनियर जादब चंद्र नाथ द्वारा दर्ज कराई गई इस एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता के तहत धारा 133, 135, 3(5), 351(2) और 352 के अंतर्गत आरोप लगाए गए हैं। असम की प्रतिष्ठित तेजपुर यूनिवर्सिटी एक गंभीर विवाद और हिंसक घटना के चलते सुर्खियों में आ गई है। यूनिवर्सिटी के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर जेसी नाथ के साथ कुछ प्रोफेसरों और छात्रों ने न सिर्फ अभद्र व्यवहार किया, बल्कि उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए हमला भी किया। सरकारी काम काज नहीं करने दिया। यहां तक कि युनिवर्सिटी में पढ़ रही उनकी बेटी को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। यूनिवर्सिटी में नहीं पढ़ने देने की धमकियाँ दी जाने लगीं। जेसी नाथ और उनके परिवार को धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने वालों में प्रोफेसर कुसुम कुमार बनिया, रिसर्च स्कॉलर आनन्दरण बर्मन, असिस्टेंट प्रोफेसर बिनंदा नाराजेरी, असिस्टेंट प्रोफेसर संजीब प्राण महानता, छात्र आसुतुष यादव, अन्नया देवी, कुणाल शर्मा, निपु बरुआह, नर्मदा हतिमुरिया, पार्थ प्रतिम चौधरी, फरहीन सुलताना, नहारिका बोरुआह मुख्य रूप से शामिल थीं। आरोप है कि इन सभी ने मिलकर जेसी नाथ के साथ बदसलूकी की और स्थिति को इतना भयावह बना दिया कि मामला हिंसा तक पहुंच गया। बताया जाता है कि हमले के दौरान नाथ को गंभीर नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई, वहीं उनके परिवार को भी निशाना बनाए जाने की आशंका जताई गई। हालात इतने बिगड़ गए कि अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को देखते हुए जेसी नाथ को तत्काल यूनिवर्सिटी परिसर को छोड़ना पड़ा। इस पूरी घटना के बाद जेसी नाथ ने संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। फिलहाल मामले की जांच जारी है, और यूनिवर्सिटी प्रशासन के साथ-साथ स्थानीय पुलिस भी पूरे घटनाक्रम की गहन जांच में जुटी हुई है। यह घटना न केवल यूनिवर्सिटी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि शैक्षणिक संस्थानों में बढ़ती असहिष्णुता और हिंसा की प्रवृत्ति पर भी गंभीर चिंता पैदा करती है।

## जोरहाट में लगी भयावह आग से मची अफरा-तफरी

**जोरहाट ( हिंस )।** जोरहाट में भयावह आग लगने की घटना सामने आई है, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आधिकारिक सूत्रों ने आज बताया कि यह घटना राजामैदाम गजपुरिया रोड पर बीती रात घटी, जहां आग ने तेजी से आसपास के हिस्सों को अपनी चपेट में ले लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सिलिंडर विस्फोट के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है, जिससे आग और भी भयानक रूप ले लिया। आग लगते ही स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेजी से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दमकल कर्मियों की तत्परता के चलते आग पर काबू पा लिया गया और बड़े नुकसान को टाल दिया गया। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, जबकि नुकसान का आकलन किया जा रहा है। घटना के वास्तविक कारणों की जांच जारी है।

## गुवाहाटी पुलिस के जाल में 4 बांग्लादेशी, दलाल की पहचान

**गुवाहाटी ( हिंस )।** पुलिस ने बड़े अभियान के दौरान चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है, जिससे अवैध घुसपैठ और फर्जी दस्तावेज बनाने के नेटवर्क का खुलासा हुआ है। गिरफ्तार लोगों की पहचान मुन्नी अख्तर (22), मूर सलीम शेख (32), मुसम्मत मुक्ता शेख (25, मूर सलीम शेख की पत्नी) और एक नाबालिग के रूप में की गयी है। पुलिस ने बताया है कि चारों को फिलहाल दिसपुर पुलिस थाने में तब तक रखा जाएगा, जब तक उन्हें बांग्लादेश भेजने की आगे की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए सभी आसिफ अली नामक एक दलाल के जरिए असम पहुंचे थे। उसने इनके आवागमन और ठहरने की व्यवस्था की थी। दिसपुर पुलिस ने बताया है कि सीमा पुलिस ने गुवाहाटी के ससल इलाके से चारों बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। सभी आसिफ अली के जरिए गुवाहाटी पहुंचे थे और बीते 10 अप्रैल से गुवाहाटी में छिपे हुए थे। सूत्रों ने बताया कि चारों गुवाहाटी से मुंबई जाने की फिराक में थे। गिरफ्तार चारों में एक महिला, एक पुरुष और बच्चे शामिल हैं। बताया गया है कि पेशे से ड्राइवर एवं दलाल मोहम्मद आक्काश अली ने बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी वोटर कार्ड बनाया था। पुलिस ने दलाल को भी गिरफ्तार किया है। अली मूल रूप से बरपेटा जिले का रहने वाला है। जांच में यह भी सामने आया है कि इन चारों ने बरपेटा जिले से मतदाता पहचान पत्र (वोटर कार्ड) बनवा लिया था, जिससे पहचान सत्यापन और चुनावी दस्तावेजों के दुरुपयोग को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर दिखे लाल टी-शर्ट पहने व्यक्ति की पहचान दलाल आसिफ अली के रूप में हुई है। मामले में शामिल अन्य लोगों की तलाश जारी है और पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

## *नारी शक्ति वंदन अधिनियम* शासन व्यवस्था को प्रगतिशील और अधिक जन-केंद्रित बनाएगा : भाजपा

**गुवाहाटी ( हिंस )।** महिला सशक्तिकरण को मजबूती देने की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा लाया गया *नारी शक्ति वंदन अधिनियम* एक ऐतिहासिक पहल के रूप में देखा जा रहा है। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता रंजीव कुमार शर्मा ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस अधिनियम को संसद द्वारा पहले ही पारित किया जा चुका है, जिसे वर्ष 2029 से राजनीतिक स्तर पर लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अधिनियम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटों का आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। इसके लागू होने के बाद लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या वर्तमान 74 से बढ़कर लगभग 273 तक पहुंचने की संभावना है, जिससे महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। रंजीव कुमार शर्मा ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच पर महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना और महिला नेतृत्व को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने इसे केवल एक कानूनी सुधार नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक परिवर्तन की दिशा में उठाया गया कदम बताया। उन्होंने आगे कहा कि *नारी शक्ति वंदन अधिनियम* देश के विकास में महिलाओं की भूमिका को सशक्त करेगा और उन्हें नीति निर्धारण, राजनीतिक नेतृत्व तथा सामाजिक परिवर्तन के केंद्र में स्थापित करेगा। यह अधिनियम लंबे समय से उपेक्षित देश की आधी आबादी को सशक्त आवाज प्रदान करने का माध्यम बनेगा। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता के अनुसार, इस कानून के लागू होने से शासन प्रणाली अधिक समावेशी, प्रगतिशील और मजबूत बनेगी। उन्होंने इसे स्वतंत्र भारत की एक *शांत लेकिन बड़ी सामाजिक क्रांति* करार दिया और आधुनिक भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत और राज्यसभा में करीब 13 प्रतिशत है, जबकि 1952 की पहली लोकसभा में यह आंकड़ा मात्र 4 प्रतिशत था। इस संदर्भ में *नारी शक्ति वंदन अधिनियम* को महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है। ज्ञात हो कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने 19 सितंबर 2023 को इस विधेयक को लोकसभा में प्रस्तुत किया था, जिसे संविधान के 106वें संशोधन के रूप में पारित कर कानून का रूप दिया गया। यह कदम महिला सशक्तिकरण के अभियान को नई गति देने और देश के सामाजिक-राजनीतिक ढांचे में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

## बिहू में पावरलूम गामोछा से भरे बाजार हस्तकरघा विभाग की कार्रवाई

**गुवाहाटी ( हिंस )।** रंगाली बिहू के अवसर पर असम के बाजारों में पावरलूम से बने गमछों की भरमार देखी जा रही है, जिससे पारंपरिक हस्तकरघा बुनकरों पर प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ गई है। इसी कड़ी में हस्तकरघा विभाग ने आज गुवाहाटी के गणेशगुड़ी इलाके में पावरलूम गमछों की बिक्री के खिलाफ जोरदार अभियान चलाया। इस दौरान सड़क किनारे अस्थायी रूप से लगाए गए स्टॉलों के साथ-साथ कई दुकानों में भी जांच की गई। अभियान के दौरान विभिन्न दुकानों और विक्रेताओं से बड़ी संख्या में पावरलूम से बने गमछे जब्त किए गए, जिनके बारे में बताया गया कि वे राज्य के बाहर निर्मित थे। अधिकारियों के अनुसार इन उत्पादों को बाजार में अवैध रूप से बेचा जा रहा था और इन्हें असली हस्तनिर्मित गमछों के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा था। अधिकारियों ने यह भी खुलासा किया कि कुछ व्यापारी ग्राहकों को ठगने के लिए पावरलूम गमछों को हस्तनिर्मित गमोछों के बीच छिपाकर बेच रहे थे। विभाग ने स्थानीय बुनकरों के हितों की रक्षा और असम की पारंपरिक हस्तकरघा विरासत को सुरक्षित रखने के लिए ऐसे अभियानों को जारी रखने की बात कही है।

## कोकराझाड़ : एसएसबी ने भूटानी मदिरा के साथ वाहन समेत तरस्कर को किया गिरफ्तार

**कोकराझाड़ ( विभास )।** सीमा चौकी दादगिरी के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सीमा भारत-भूटान गेट के पास एक संदिग्ध वाहन (रजिस्ट्रेशन नं.-एएस 16 जे 0204) को चेकिंग के दौरान भूटान से भारत की ओर आ रहे फोर्ड इंडिया 1.2 ड्यूरेटिक वाहन को भारत-भूटान गेट ड्यूटी पर तैनात एसएसबी के जवानों द्वारा वाहन चेकिंग हेतु रोका गया और वाहन चालक से पूछ-ताछ के दौरान स्पष्ट जानकारी व कागजात प्राप्त नहीं होने के उपरांत वाहन की चेकिंग करने पर पाया गया कि वाहन के अंदर अवैध रूप से भूटानी बियर व सोफी (650 एमएल) 60 बोतल तथा (750 एमएल) 36 ले जा रहे थे। जिसकी पहचान नाम- सन्सुमा नर्सरी, पिता-फूलेन नर्सरी, उम्र -28, गाँव-शांतिपुर एफवी नकेरदोरी, थाना-बासुगांव, जिला-चिरांग (असम) पिन कोड-783375 के रूप में की गई। उक्त अवैध सामग्री को जब्त कर वाहन सहित संदिग्ध चालक को लैंड कस्टम ऑफीस हातीसर (दादगिरी) को अग्रिम कार्रवाई हेतू सूपुर्द कर दिया गया।

## सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत, 11 घायल

**कामरूप ( हिंस )।** कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया इलाके में हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को बताया कि रंगिया से तामुलपुर की ओर यात्रियों को लेकर आ रहे टेंपो (एएस-28सी-4667) और विपरीत दिशा से भूटान की ओर से रंगिया की ओर आ रही ईक वैन (एएस-13आर-7370) के बीच हुए आमने-सामने की टक्कर में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा आज सुबह 6:00 बजे के आसपास हुई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया वहीं पुलिस मृत व्यक्ति के शव को अपने कब्जे में लेकर अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान महेश बोडो के रूप में की गई है।

## प्रो. भारद्वाज और स्व. कारेंद्र बसुमतारी को मिलेगा *गुरुदेव कालीचरण ब्रह्मा पुरस्कार-2026*

**कोकराझाड़ ( विभास )।** गुरुदेव कालीचरण ब्रह्मा ट्रस्ट ने प्रतिष्ठित 8वें गुरुदेव कालीचरण ब्रह्मा पुरस्कार-2026 के प्राप्तकर्ताओं के नामों की घोषणा कर दी है। इस वर्ष यह सम्मान प्रमुख विद्वान प्रो. रमेश सी भारद्वाज और प्रख्यात सामाजिक-राजनीतिक नेता दिवंगत कारेंद्र बसुमतारी को प्रदान किया जाएगा। ट्रस्ट द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह पुरस्कार आगामी 18 अप्रैल, 2026 को गुरुदेव कालीचरण ब्रह्मा की जयंती के पावन अवसर पर आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किए जाएंगे। यह सम्मान उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने गुरुदेव के आदर्शों पर चलते हुए शिक्षा, समाज सुधार और सार्वजनिक जीवन में असाधारण योगदान दिया है। प्रो. रमेश सी. भारद्वाज: भारतीय दर्शन और भारतीय ज्ञान प्रणाली के प्रख्यात विद्वान प्रो. भारद्वाज का दिल्ली विश्वविद्यालय में तीन दशकों से अधिक का शैक्षणिक अनुभव है। वे संस्कृत विभाग के अध्यक्ष और महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय, कैथल के कुलपति रह चुके हैं। वैदिक अध्ययन और मीमांसा दर्शन में उनका शोध कार्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। स्व. कारेंद्र बसुमतारी (मुरगानी दावहारू): उन्हें मरणोपरांत उनके सामाजिक और राजनीतिक नेतृत्व के लिए सम्मानित किया जा रहा है। *मुरगानी दावहारू* के नाम से लोकप्रिय बसुमतारी 1983 से 1986 तक ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन के अध्यक्ष रहे। इसके अलावा, उन्होंने 1991-1996 और 2001-2011 के दौरान विधायक के रूप में क्षेत्र के कल्याण और सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आगामी 18 अप्रैल को होने वाले इस समारोह में क्षेत्र की कई गणमान्य हस्तियां और विशिष्ट अतिथि शिरकत करेंगे। ट्रस्ट ने बताया कि यह आयोजन गुरुदेव के विजन और क्षेत्र के विकास में इन महानुभावों के योगदान को याद करने का एक प्रयास है।

## धुबड़ी में गैस सिलेंडर की किल्लत से आम लोग परेशान

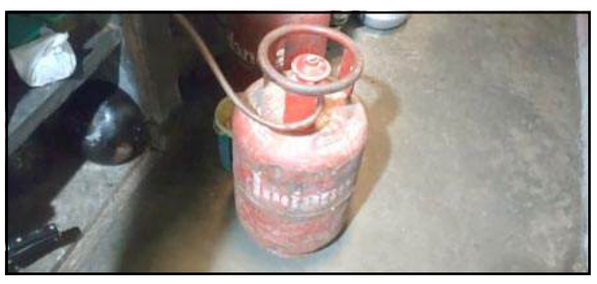

**धुबड़ी ( विभास )।** धुबड़ी शहर के साथ-साथ पूरे धुबड़ी जिले में गैस सिलेंडर की किल्लत होने के कारण जिले में रह रहे छोटे-छोटे गांव के परिवारों को घर का चूल्हा जलाना मुश्किल हो चुका है। कई घरों में लोग पुराने पद्धति अपनाने लगे हैं। लकड़ी का चूल्हा, कोयल का चूल्हा, केरोसिन तेल का स्टॉप इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा कॉमर्शियल सिलेंडर की भी किल्लत देखने को मिल रहा है। इस बात की जानकारी जिला प्रशासन के पास होने के बावजूद भी किसी भी तरह का विकल्प नहीं निकल रहा है, जिसके कारण आम लोगों के घर का चूल्हा जालना मुश्किल हो चुका है। मालूम हो कि पिछले दिनों धुबड़ी शहर के बीचों-बीच रह रहे गदाधर गैस कंपनी के विरुद्ध कोई हेरा-फेरी का मामला सामने आने के कारण शहर में गैस सिलेंडर का संकट को बढ़ाने के लिए मजबूर किया है। शहर के सचेत लोगों ने जिला प्रशासन के साथ-साथ असम सरकार को इस बात को ध्यान में रखकर आम लोगों को सुविधा किए जाने की मांग की है।

संपादकीय

# समता की आस्था

यह विडंबना ही है कि 21वीं सदी, जिसे ज्ञान की सदी भी कहा जाता है, में किसी व्यक्ति के धार्मिक स्थल विशेष जाने पर वर्ग या लिंगभेद के आधार पर रोक लगे। इस बाबत सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है जिसमें कहा गया कि मंदिरों व मठों में प्रवेश में भेदभाव धर्म के लिये अच्छा नहीं है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। देश की शीर्ष अदालत का मानना था कि मंदिरों और मठों में जाने का अधिकार हर व्यक्ति को मिलना चाहिए। अदालत ने चिंता जतायी कि यदि ऐसा नहीं होता है तो समाज में विभाजन को बढ़ावा मिलेगा। जिसका धर्म विशेष की सर्वस्वीकार्यता पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सात कानूनी सवालों पर विचार कर रही है। जिसमें केरल के बहुचर्चित सबरीमाला मंदिर में दस से पचास साल की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का मुद्दा भी शामिल है। दरअसल, केरल के कई संगठनों की ओर से शीर्ष अदालत में उपस्थित अधिवक्ता ने दलील दी थी कि संप्रदाय विशेष का मंदिर, इस मामले में प्रवेश की अनुमति और पूजापाठ की इजाजत एक संप्रदाय विशेष तक सीमित रख सकता है। इस प्रसंग में पीठ की न्यायाधीश बीवी नागरत्ना ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को मंदिर और मठ में प्रवेश का अधिकार मिलना चाहिए। किसी को रोका जाना हिंदू धर्म के लिए अच्छी परंपरा नहीं है। दूसरे शब्दों में इसका धर्म पर बुरा असर नहीं पड़ना चाहिए। निश्चित रूप से देशकाल व परिस्थितियों के अनुसार देश के कानून व संविधान में भी परिवर्तन किए गए हैं। ऐसा में आस्था स्थलों से जुड़ी मान्यताओं व परंपराओं पर भी तर्कशील ढंग से विचार किया जाना जरूरी है। यह किसी भी समाज में समतामूलक सोच के विस्तार के लिये अपरिहार्य शर्त होनी चाहिए। इस दिशा में उदार सोच समय की जरूरत है। इसमें दो राय नहीं कि हमारे धार्मिक स्थल हमारी आध्यात्मिक दृष्टि को समृद्ध करने में अहम भूमिका निभाते हैं। धार्मिक होने का मतलब है ममता-समता और लोककल्याण से जुड़ी व्यापक दृष्टि का होना। श्रद्धालु किसी भी धार्मिक स्थल में मन की शांति और सुकून के लिये जाते हैं। इस बात से सहमत नहीं हुआ जा सकता है कि पूजा पद्धति व धार्मिक स्थल में प्रवेश रोकने पर हमारे आराध्य प्रसन्न होंगे। पौराणिक प्रसंगों में ऐसे उदाहरण नहीं मिलते हैं जब धरती पर अवतार लेने वाले देवताओं ने किसी वंचित समाज के व्यक्ति और महिलाओं को लेकर किसी तरह के भेदभाव को प्रश्रय दिया हो। छोटा-बड़ा, अमीर-गरीब व महिला व पुरुष का भेद कभी उनके कालखंड में सामने नहीं आया। इसके बावजूद देशकाल परिस्थितियों में तथा तार्किकता के अभाव में यदि किसी तरह भेदभाव कतिपय कारणों से सामने आया भी हो, तो वक्त का तकाजा यही है कि उन्हें समय के अनुकूल ढाला जाए। आस्था के नजरिये से बात करें तो भी ईश्वर ने अपनी किसी भी रचना को लेकर कभी किसी तरह का भेदभाव नहीं किया। तो फिर उसके रचे इंसानों को किसी तरह के भेदभाव की अनुमति कैसे दी जा सकती थी। बहुत संभव है कि किसी समय में शुचिता को लेकर परंपरागत सोच रही हो। लेकिन आज विज्ञान ने कई प्राचीन धारणाओं व रूढ़ियों को बदलकर नई दृष्टि दी है। चंद्रमा हजारों साल से मानवीय आस्था का प्रतीक रहा है। हिंदू, मुस्लिम व अन्य धर्म किसी न किसी रूप में चंद्रमा को गहन आस्था के केंद्र के रूप में देखते रहे हैं। 19वीं सदी में कौन सोच सकता है कि तमाम धर्मों में पूज्य चांद पर कभी इंसान भी कदम रख सकता है। लेकिन आज यह हकीकत है कि भारत समेत कई विकसित देशों के मिशन चंद्रमा की सतह पर उतरे हैं। बहरहाल, ऐसे में उस धर्म विशेष की सर्वस्वीकार्यता को लेकर सवाल खड़े हो सकते हैं, जो व्यक्ति, वर्ग, संप्रदाय व लिंग के आधार पर किसी भी तरह का भेद करता हो। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि ऐसे निर्णयों का धर्म पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है जिसमें कहा गया कि मंदिरों व मठों में प्रवेश में भेदभाव धर्म के लिये अच्छा नहीं है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। देश की शीर्ष अदालत का मानना था कि मंदिरों और मठों में जाने का अधिकार हर व्यक्ति को मिलना चाहिए। अदालत ने चिंता जतायी कि यदि ऐसा नहीं होता है तो समाज में विभाजन को बढ़ावा मिलेगा। जिसका धर्म विशेष की सर्वस्वीकार्यता पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सात कानूनी सवालों पर विचार कर रही है। जिसमें केरल के बहुचर्चित सबरीमाला मंदिर में दस से पचास साल की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का मुद्दा भी शामिल है। दरअसल, केरल के कई संगठनों की ओर से शीर्ष अदालत में उपस्थित अधिवक्ता ने दलील दी थी कि संप्रदाय विशेष का मंदिर, इस मामले में प्रवेश की अनुमति और पूजापाठ की इजाजत एक संप्रदाय विशेष तक सीमित रख सकता है।

# किशोर आक्रामकता एवं हिंसा पर अंकुश लगाने की पहल हो

नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से किशोरों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में किशोरों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। बदलते समय के साथ समाज के व्यवहार में आई यह हिंसक तीव्रता और आक्रामकता अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका सबसे चिंताजनक प्रभाव किशोर पीढ़ी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना ज्यादा परेशान करने वाला है। हाल के वर्षों में किशोरों द्वारा किए गए अपराधों की संख्या और उनकी क्रूरता ने पूरे समाज को झकझोर दिया है।

भारतीय किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से किशोरों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में किशोरों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। बदलते समय के साथ समाज के व्यवहार में आई यह हिंसक तीव्रता और आक्रामकता अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका सबसे चिंताजनक प्रभाव किशोर पीढ़ी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना ज्यादा परेशान करने वाला है। हाल के वर्षों में किशोरों द्वारा किए गए अपराधों की संख्या और उनकी क्रूरता ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गया, बल्कि यह सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्यों, शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक प्रभावों के गहरे संकट का संकेतक बन चुका है। दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में मात्र चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की नृशंस हत्या, जिसमें तीन किशोरों ने बेरहमी से चाकू घोंपे और चौथा उसका वीडियो बनाता रहा, इस विकृति का भयावह उदाहरण है। यह घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि संवेदनाओं के क्षरण, नैतिकता के पतन और कानून के भय के समाप्त हो जाने का प्रतीक है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर किशोरों में यह दुस्साहस और हिंसात्मक प्रवृत्ति कहां से जन्म ले रही है? वस्तुतः, किशोर अपराधों के बढ़ते ग्राफ के पीछे कई परस्पर जुड़े हुए कारण हैं, जिनका विश्लेषण आवश्यक है। सबसे पहला और प्रमुख कारण है पारिवारिक संरचना का विघटन। पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों को दादा-दादी, चाचा-चाची और अन्य सदस्यों के सान्निध्य में नैतिकता, अनुशासन और सामाजिक मर्यादाओं का सहज प्रशिक्षण मिलता था। आज एकल परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता और समयाभाव के कारण बच्चों के साथ संवाद का अभाव हो गया है। परिणामस्वरूप, किशोर अपनी समस्याओं और जिज्ञासाओं का समाधान बाहर ढूंढते हैं, जो कई बार उन्हें गलत दिशा में ले जाता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण है डिजिटल और सोशल मीडिया का अनियंत्रित प्रभाव। इंटरनेट ने जहां ज्ञान के द्वार खोले हैं, वहीं अपराध, हिंसा और अश्लीलता से भरी सामग्री भी किशोरों के लिए सहज उपलब्ध कर दी है। फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी धारावाहिकों में हिंसा को जिस प्रकार ग्लैमराइज किया जाता है, वह किशोर मन को प्रभावित करता है। वे अपराध को एक साहसिक कार्य या रोमांच के रूप में देखने लगते हैं। कई बार वे यह भूल जाते हैं कि वास्तविक जीवन में इसके गंभीर और जीवन विनाशक घातक परिणाम होते हैं। तीसरा पहलू शिक्षा व्यवस्था का है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा और रोजगार तक सीमित हो गया



है। नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षण लगभग समाप्त हो गया है। शिक्षकों की भूमिका भी अब मार्गदर्शक की बजाय केवल पाठ्यक्रम पूर्ण करने तक सीमित हो गई है। विद्यालयों में अनुशासन और संवाद का जो वातावरण होना चाहिए, वह धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है। इसके अतिरिक्त, समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामकता भी किशोरों को प्रभावित कर रही है। जब वे अपने आसपास छोटे-छोटे विवादों में लोगों को हिंसक होते देखते हैं, तो यह उनके लिए सामान्य व्यवहार बन जाता है। राजनीति, मीडिया और सामाजिक जीवन में बढ़ती कटुता और टकराव की प्रवृत्ति किशोरों के मन में भी उसी प्रकार की प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करती है। किशोर अपराधों के पीछे एक और गंभीर कारण है आपराधिक गिरोहों द्वारा उनका उपयोग। चूंकि कानून में किशोरों के लिए अपेक्षाकृत नरमी होती है, इसलिए अपराधी गिरोह उन्हें अपने कार्यों के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति भी किशोरों को अपराध की ओर धकेलती है। नशे की लत पूरी करने के लिए वे चोरी, लूट और यहां तक कि हत्या जैसे गंभीर अपराध करने से भी नहीं हिचकते। यह भी ध्यान देने योग्य है कि किशोर न्याय से जुड़े कानूनों का लचीलापन कई बार अपराधियों के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है। गंभीर अपराधों में संलिप्त होने के बावजूद किशोरों को शीघ्र रिहा कर दिया जाता है, जिससे उनमें कानून का भय समाप्त हो जाता है। इस संदर्भ में यह बहस भी समय-समय पर उठती रही है कि गंभीर अपराधों में संलिप्त किशोरों के लिए वयस्कों जैसा दंड प्रावधान होना चाहिए या नहीं? हालांकि केवल कानून को कठोर बनाना ही समाधान नहीं है। समस्या की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं और इसके समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले परिवार को अपनी भूमिका को पुनः समझना होगा। बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना, उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर ध्यान देना और उन्हें सही-गलत का अंतर समझाना अत्यंत आवश्यक है। माता-पिता को यह समझना होगा कि केवल भौतिक सुविधाएं प्रदान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय और संस्कार देना अधिक महत्वपूर्ण है। दूसरे, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा, जीवन कौशल और व्यवहारिक प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। शिक्षकों को केवल ज्ञान प्रदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक की भूमिका निभानी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है ताकि किशोर अपनी समस्याओं को साझा कर सकें। तीसरे, मीडिया और मनोरंजन उद्योग को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझनी होगी। हिंसा और अपराध को महिमामंडित करने के बजाय सकारात्मक और प्रेरणादायक सामग्री का निर्माण किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी कंटेंट की निगरानी और नियंत्रण को सख्ती से लागू करना होगा। चौथे, पुलिस और प्रशासन को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाना होगा। केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय, अपराध की रोकथाम पर अधिक ध्यान देना होगा। समुदाय आधारित पुलिसिंग, स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम और किशोरों के साथ संवाद जैसी पहलें प्रभावी हो सकती हैं। ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निर्माताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? यदि एक किशोर अपराध की राह पर जाता है, तो उसमें कहीं न कहीं परिवार, समाज, शिक्षा और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी होती है। आज आवश्यकता है एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, समाज, परिवार और शिक्षा संस्थाएं मिलकर कार्य करें। केवल दंड से नहीं, बल्कि संवाद, संस्कार और सकारात्मक मार्गदर्शन से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है।

कुछ अलग

## पानी आपूर्ति की निरंतरता व शुद्धता जरूरी

भारत दुनिया की लगभग 18 प्रतिशत आबादी का घर है, लेकिन हमारे पास वैश्विक मीठे पानी के संसाधनों का केवल 4 प्रतिशत हिस्सा उपलब्ध है। यह असंतुलन ही देश में जल संकट की बुनियादी जड़ है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 60 करोड़ भारतीय उच्च से अत्यधिक जल तनाव का सामना कर रहे हैं। सवाल यह है कि क्या हम अपने नागरिकों को एक गिलास शुद्ध पानी देने में सक्षम हैं? इस साल के फरवरी 2026 में पेश किए गए केंद्रीय बजट में जल शक्ति मंत्रालय के लिए 67,600 करोड़ रुपये का आवंटन कर सरकार ने अपनी मंशा तो साफ कर दी है। लेकिन जल जीवन मिशन और 'अमृत' जैसे प्रोजेक्ट्स के पिछले सात वर्षों के सफर को देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि व्यवस्था ने केवल पाइप बिछाने की गति को ही सफलता मान लिया, जबकि पानी की शुद्धता और उसकी निरंतरता को हाशिए पर धकेल दिया गया। भारत के शहरी-ग्रामीण इलाकों में दूषित पानी को लेकर बात करें तो दिसंबर, 2025 से जनवरी 2026 के पहले सप्ताह के बीच ही देश के 26 प्रमुख शहरों में सीवेज मिश्रित पानी पीने से 5,500 से अधिक लोग बीमार हुए और कम से कम 34 लोगों की मौत दर्ज की गई। भारत का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दिसंबर, 2025 के अंतिम सप्ताह में पाइपलाइन में सीवेज का पानी मिलने से 37 लोगों की मौत हो गई और 1,400 से अधिक लोग अस्पताल पहुंच गए। इसी तरह, जनवरी, 2026 की शुरुआत में बेंगलुरु के पॉश इलाकों और गांधीनगर (गुजरात) में सैकड़ों बच्चे दूषित पानी के कारण टाइफाइड और डायरिया का शिकार हुए।

देश दुनीया से

# राष्ट्रीय स्वास्थ्य के लिए चुनौती बनी छिपी भूख

आज का भारत एक विसंगति दौर से गुजर रहा है। एक ओर देश तेजी से आर्थिक प्रगति कर रहा है, बाज़ारों में खाद्य सामग्री की कोई कमी नहीं है और स्वास्थ्य सेवाएं भी विस्तारित हो रही हैं। लेकिन दूसरी ओर, एक गंभीर समस्या चुपचाप समाज में आकार ले रही है—पोषण की कमी, जिसे अक्सर छिपी हुई भूख कहा जाता है। छिपी हुई भूख का अर्थ है शरीर में आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी, जैसे आयरन, विटामिन बी12, विटामिन डी, जिंक, आयोडीन और फोलिक एसिड। यह कमी थकान, बार-बार संक्रमण, कमजोरी, ध्यान की कमी, हड्डियों की समस्या और रोग प्रतिरोधक क्षमता में गिरावट जैसे लक्षणों के रूप में दिखाई देती है। भारत में आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया आज भी महिलाओं और किशोरियों में आम है। शहरी आबादी में विटामिन बी12 की कमी तेजी से बढ़ रही है, जिसका एक कारण बदलती भोजन शैली और पोषक तत्वों का ठीक से अवशोषण न होना है। धूप की प्रचुरता के बावजूद विटामिन डी की कमी एक विडंबना बन चुकी है, जो हड्डियों, प्रतिरक्षा तंत्र और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। जिंक और आयोडीन की कमी बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को बाधित करती है। पोषण को लेकर सबसे आम भ्रांति यह है कि भरपूर खाना खाने का मतलब अच्छा पोषण है। आज का आधुनिक भोजन—जो अधिकतर परिष्कृत अनाज, पैकेज्ड फूड और मीठे स्नैक्स पर आधारित है—कैलोरी तो देता है, लेकिन आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व नहीं। हमारी पारंपरिक भोजन पद्धतियां, जिनमें मोटे अनाज, दालें, मौसमी सब्जियां और किण्वित खाद्य पदार्थ शामिल थे, धीरे-धीरे पीछे छूटती जा रही हैं। दरअसल, भोजन में गुणवत्ता के असंतुलन का सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ता है। पोषण की कमी से रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, जिससे संक्रमण जल्दी होते हैं और ठीक होने में समय लगता है। मधुमेह और हृदय रोग जैसे जीवनशैली से जुड़े रोगों की गंभीरता भी बढ़ जाती है। बच्चों में यह शारीरिक वृद्धि और सीखने की क्षमता को प्रभावित करती है, जबकि कामकाजी वर्ग में थकान और उत्पादकता में कमी लाती है। बुजुर्गों में यह कमजोरी और जटिलताओं को बढ़ावा देती है। सरकार ने पोषण अभियान, मिड-डे मील, आयरन-फोलिक एसिड सप्लीमेंटेशन और खाद्य सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से सराहनीय प्रयास किए हैं। लेकिन केवल दवाइयों और सप्लीमेंट्स के भरोसे इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। दीर्घकालिक समाधान के लिए जरूरी है कि पोषण भोजन के माध्यम से, सुरक्षित और टिकाऊ तरीके से मिले। यहां पर बायोटेक्नोलॉजी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। अक्सर बायोटेक्नोलॉजी को जटिल प्रयोगशालाओं तक



सीमित विज्ञान माना जाता है, जबकि वास्तव में यह हमारे दैनिक जीवन से गहराई से जुड़ी हुई है। बायोफोर्टिफाइड फसलें, जिनमें प्राकृतिक रूप से अधिक आयरन, जिंक या विटामिन मौजूद होते हैं, इसका एक उदाहरण हैं। ऐसे खाद्य पदार्थ बिना खान-पान की आदत बदले बेहतर पोषण प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा, किण्वन और लाभकारी सूक्ष्मजीवों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है—जो हमारी पारंपरिक खाद्य संस्कृति का हिस्सा रहे हैं, जैसे दही, छाछ, इडली, डोसा और किण्वित पेय। आधुनिक बायोटेक्नोलॉजी इन परंपराओं को वैज्ञानिक आधार देकर पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण और आंतों के स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करती है। फंक्शनल फूड्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स का क्षेत्र भी संभावनाओं से भरा है, बशर्ते इन्हें जिम्मेदारी और किफायती तरीके से विकसित किया जाए। ये उत्पाद विलासिता नहीं, बल्कि विशिष्ट पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के साधन बन सकते हैं—खासकर कमजोर वर्गों के लिए। सबसे महत्वपूर्ण पहलू है जागरूकता। कई बार पोषण की कमी का निदान नहीं हो पाता क्योंकि इसके लक्षणों को सामान्य कमजोरी समझ लिया जाता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य संवाद में अब केवल वजन और कैलोरी नहीं, बल्कि सूक्ष्म पोषक तत्वों और संतुलित आहार पर भी ज़ोर दिया जाना चाहिए। किशोरों, गर्भवती महिलाओं और कामकाजी वर्ग के लिए पोषण शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। नीति स्तर पर, यदि बायोटेक्नोलॉजी आधारित पोषण समाधानों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाए—जैसे बायोफोर्टिफाइड अनाज, स्कूल भोजन में पोषण संवर्धन—तो परिणाम कहीं अधिक प्रभावी हो सकते हैं। यह भी आवश्यक है कि बायोटेक्नोलॉजी नैतिकता, पारदर्शिता और सुलभता के साथ आगे बढ़े। छिपी हुई भूख केवल पोषण की समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास की चुनौती है। आज आवश्यकता है कि पोषण को केवल स्वास्थ्य विभाग की ज़िम्मेदारी मानकर न देखा जाए, बल्कि इसे शिक्षा, कृषि, विज्ञान और सामाजिक चेतना से जोड़कर समझा जाए। जब तक परिवार स्तर पर यह समझ नहीं बनेगी कि संतुलित आहार क्या है और पोषक तत्व क्यों आवश्यक हैं, तब तक योजनाएं और तकनीकें भी सीमित प्रभाव ही डाल पाएंगी। पोषण साक्षरता को स्कूल पाठ्यक्रम, सामुदायिक कार्यक्रमों और जनसंचार माध्यमों के माध्यम से व्यापक रूप से फैलाना होगा। साथ ही, खाद्य उद्योग और वैज्ञानिक संस्थानों को मिलकर ऐसे समाधान विकसित करने होंगे। बायोटेक्नोलॉजी आधारित नवाचार तभी सफल होंगे जब वे आम आदमी की थाली तक पहुंचें। इसके लिए नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों, शिक्षकों और चिकित्सकों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। स्वस्थ नागरिक ही सशक्त राष्ट्र की नींव होते हैं। पोषण में निवेश दरअसल देश के भविष्य में निवेश है—और इस निवेश का लाभ आने वाली पीढ़ियां अवश्य महसूस करेंगी।

आप का नजरीया

# घातक किशोर अपराध

बदलते वक्त के साथ समाज में बढ़ते आक्रामक व्यवहार के चलते अपराधों का ग्राफ भी तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन किशोरों की अपराधों में संलिप्तता बढ़ना गंभीर चिंता का विषय है। हाल के दिनों में देश में किशोर अपराधों से जुड़ी अनेक ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने देश को गहरी चिंता में डाला है। जो बाल अपराधों के सामाजिक कारणों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत पर बल देता है। निस्संदेह, यह विचारणीय प्रश्न है कि छोटे-छोटे विवादों के बीच किशोर हिंसक क्यों हो रहे हैं। जिसकी परिणति अकसर क्रूर हत्या के रूप में सामने आती है। पिछले दिनों दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में सिर्फ चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की निर्मम हत्या डराने वाली है। वहीं किशोरों में कानून का भय न होना गंभीर मसला है। बताया जाता है कि इस युवक की हत्या में तीन नाबालिग संलिप्त थे। इस घटना में तीन किशोर एक युवक पर लगातार चाकू मारते रहे। हिंसक प्रवृत्ति की पराकाष्ठा देखिए कि इनका चौथा साथी बाकायदा मोबाइल पर घटना का वीडियो बनाता रहा। निस्संदेह, यह घटना किसी भी सभ्य समाज में सिहरन पैदा करने वाली है कि किशोर में यह आपराधिक दुस्साहस कहां से आ रहा है। जाहिर बात है कि इन किशोरों में पुलिस-प्रशासन का कोई भय नहीं था, तभी वे सरेआम चाकूबाजी करते रहे। देश की राष्ट्रीय राजधानी जहां के बारे में अकसर कहा जाता है कि पुलिस प्रशासन कानून व्यवस्था बनाने में अग्रणी रहता है, वहां यह घटना सामने आयी। सवाल उठाया जा सकता है कि देश के दूर-दराज के इलाकों में यह स्थिति कितनी गंभीर हो सकती है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि किशोरों की आपराधिक घटनाओं में तेजी से बढ़ती भूमिका की असली वजह क्या है? उल्लेखनीय है कि दयालपुर की घटना से पहले भी कई गंभीर अपराधों में किशोरों की संलिप्तता की घटनाएं गाहे-बगाहे सामने आती रही हैं। लेकिन किशोर अपराध से जुड़े कानून उन्हें जल्दी रिहा करा देते हैं। दरअसल, देश में अकसर किशोरों के गंभीर अपराधों में लिप्त होने के चलते उनकी वयस्क होने की उम्र घटाने की मांग होती है। इसकी वजह यह है कि किशोर गंभीर अपराधों में संलिप्तता के बावजूद किशोर अपराध से जुड़े कानूनों के लचीलेपन के चलते जेल से जल्दी रिहा हो जाते हैं। जेल से बाहर आने के बाद फिर दूसरे गंभीर अपराधों में लिप्त हो जाते हैं। यह गंभीर मुद्दा है जिसके समाधान को केंद्र सरकार को अपनी प्राथमिकता बनाना चाहिए। दरअसल, इंटरनेट के तेजी से प्रसार और सोशल मीडिया में अपराधों से जुड़ी घातक सामग्री की उपलब्धता किशोरों में भटकाव को बढ़ावा दे रही है। हिंसक फिल्में और अन्य माध्यमों में अपराध के तौर-तरीके से जुड़ी सामग्री किशोर मन पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। देश में संयुक्त परिवारों के बिखराव व बच्चों पर मां-बाप का नियंत्रण कम होने से कई किशोर बुरी संगति के चलते अपराधजगत की फिसलन में उतर जाते हैं। दूसरी ओर स्कूल-कालेजों में शिक्षकों की वह भूमिका नहीं रही, जो सख्ती से किशोरों के व्यवहार को नियंत्रित कर सके। आज उनकी सोच को मोबाइल व सोशल मीडिया पर प्रसारित विकृत सूचनाएं प्रभावित कर रही हैं। समाज के व्यवहार में एक किस्म की आक्रामकता नजर आती है। वहीं दूसरी ओर आपराधिक गिरोह व गैंग भी अपने आपराधिक कृत्यों को अंजाम देने कि लिए किशोरों का इस्तेमाल करते हैं। सवाल यह भी है कि किशोरों तक घातक हथियार कहां से और कैसे पहुंच रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, नशे की दलदल में फंसने वाले किशोर भी कालांतर नशा खरीदने के लिये पैसे जुटाने के लिये अपराध की गली में उतर जाते हैं। फिर गंभीर अपराधों को अंजाम देने लगते हैं। निश्चित रूप से बदलते वक्त के साथ पुलिस की भूमिका व कार्यशैली में बदलाव लाने की जरूरत है। साथ ही समाज में भी जागरूकता लानी आवश्यक है ताकि किशोरों को अपराध की राह पर बढ़ने से रोका जा सके। सरकार और समाज के साझे प्रयासों से ही इस संकट से उबरने में मदद मिल सकती है।

देश में किशोर अपराधों से जुड़ी अनेक ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने देश को गहरी चिंता में डाला है। जो बाल अपराधों के सामाजिक कारणों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत पर बल देता है। निस्संदेह, यह विचारणीय प्रश्न है कि छोटे-छोटे विवादों के बीच किशोर हिंसक क्यों हो रहे हैं। जिसकी परिणति अकसर क्रूर हत्या के रूप में सामने आती है। पिछले दिनों दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में सिर्फ चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की निर्मम हत्या डराने वाली है। वहीं किशोरों में कानून का भय न होना गंभीर मसला है। बताया जाता है कि इस युवक की हत्या में तीन नाबालिग संलिप्त थे। इस घटना में तीन किशोर एक युवक पर लगातार चाकू मारते रहे। हिंसक प्रवृत्ति की पराकाष्ठा देखिए कि इनका चौथा साथी बाकायदा मोबाइल पर घटना का वीडियो बनाता रहा। निस्संदेह, यह घटना किसी भी सभ्य समाज में सिहरन पैदा करने वाली है कि किशोर में यह आपराधिक दुस्साहस कहां से आ रहा है। जाहिर बात है कि इन किशोरों में पुलिस-प्रशासन का कोई भय नहीं था, तभी वे सरेआम चाकूबाजी करते रहे। देश की राष्ट्रीय राजधानी जहां के बारे में अकसर कहा जाता है कि पुलिस प्रशासन कानून व्यवस्था बनाने में अग्रणी रहता है, वहां यह घटना सामने आयी।

दृष्टि कोण

# भारतीय नारी शक्ति को सशक्त करने का वक्त

इक्कीसवीं सदी की विकास यात्रा में भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगी। यह ऐसा समय है, जब हमारी संसद को एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा। लोकसभा और विधानसभाओं संस्थाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा। यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह ऐसे समय में आ रहा है जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है। आने वाले दिनों में भारत के अलग-अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे। असम के लोग रोंगाली बिहू मनाने वाले हैं, और ओडिशा में महा बिशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी। केरलम में विशु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को वैसाखी के पर्व का इंतजार है। ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं। भारत और दुनियाभर में इन त्योहारों को मनाने वाले सभी लोगों को मैं हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन अवसर हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं। इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये तिथियां हमें सामाजिक न्याय व मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक भारत की दिशा तय की। इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच, 16



अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। हमारी नारीशक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आज हर सेक्टर में नारी शक्ति मिसाल बनी है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र तक महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तीकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है। लेकिन ये भी सच्चाई है कि इन सारे प्रयासों के बावजूद राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए।

## दो बाइक की भिड़ंत में तीन युवकों की मौत एक गंभीर घायल

**उदयपुर ( हिंस )।** जिले में देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा रविवार रात फलासिया थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 58ई पर बिछीवाड़ा गांव के पास हुआ। पुलिस के अनुसार तेज रफ्तार से आ रही दो बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि सभी युवक उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में कई युवकों के हाथ-पैर टूट गए, जबकि एक युवक के सिर में गंभीर चोट आई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों की पहचान अनिल कटारा, अक्षय अंगारी और यशवंत हिमात के रूप में हुई है। वहीं, मोहित अंगारी गंभीर रूप से घायल है और उसका उपचार जारी है। पुलिस ने तीनों शवों को झाड़ोल के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां सोमवार सुबह पहचान के बाद पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की गई। जांच में सामने आया कि अक्षय, अनिल और मोहित एक ही बाइक पर सवार थे और ओडा गांव में एक सामाजिक कार्यक्रम से लौट रहे थे। दूसरी बाइक पर बोरिया गांव निवासी यशवंत सवार था, जो उदयपुर की ओर जा रहा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि देर रात वाहनों की तेज हेडलाइट के कारण सामने से आ रही बाइक का अंदाजा नहीं लग पाया, जिससे यह हादसा हुआ। दोनों बाइकों के टुकड़े सड़क पर दूर-दूर तक बिखर गए। तीनों युवकों की असमय मौत से परिवारों में शोक की लहर है। मृतक मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे, जबकि यशवंत उदयपुर में एक होटल में कुक का काम करता था। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

# बिहार का अगला मुख्यमंत्री वही होगा, जिसे नीतीश कुमार का आशीर्वाद प्राप्त होगा : खान

**पटना ( हिंस )।** बिहार में नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। सत्ता के समीकरणों के बीच लगातार बैठकों और चर्चाओं का दौर जारी है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता ललन सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से करीब एक घंटे तक बैठक की। बैठक के बाद ललन सिंह वहां से निकलकर जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा के आवास पहुंचे। संजय झा के आवास पर हुई अहम बैठक में जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाह भी शामिल हुए। पार्टी सूत्रों के अनुसार, बैठक में नई सरकार के गठन और

संभावित मंत्रिमंडल की सूची को लेकर गहन मंथन हुआ। इस बीच, बिहार सरकार के मंत्री जमा खान ने मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री वही होगा, जिसे नीतीश कुमार का आशीर्वाद प्राप्त होगा। उनके इस बयान ने सियासी हलकों में चर्चाओं को और तेज कर दिया है। वहीं, निशांत कुमार के मंत्रिमंडल में शामिल होने की संभावनाओं पर पूछे गए सवाल पर जमा खान ने कहा कि वे बड़े नेता हैं और सभी चाहते हैं कि वे सरकार का हिस्सा बनें। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मंत्रिमंडल में किसे जगह मिलेगी, इसका अंतिम निर्णय नीतीश कुमार ही करेंगे। जामकारों का कहना है कि बिहार में संभावित सत्ता परिवर्तन से पहले नेताओं के लगातार आ रहे बयानों और बैठकों ने सियासी सरगर्मी को और बढ़ा दिया है। आने वाले दिनों में सरकार गठन को लेकर तस्वीर और साफ होने की उम्मीद जताई जा रही है।

## बिहार में सियासी हलचल तेज, अगले 48 घंटे अहम, राज्यपाल ने डीएम को बुलाया

**पटना ( हिंस )।** बिहार की राजनीति में इन दिनों हलचल अपने चरम पर है और आने वाले 48 घंटे बेहद निर्णायक माने जा रहे हैं। नई सरकार के गठन और शपथ ग्रहण समारोह को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेजी से चल रही हैं। इसी कड़ी में बिहार के राज्यपाल ने पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम को सोमवार सुबह लोकभवन तलब किया, जिससे यह संकेत मिल रहे हैं कि शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बिहार में 14 अप्रैल को प्रस्तावित कैबिनेट की अहम बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जा सकते हैं। इस बैठक को नई सरकार के गठन की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री आवास 1 अण्णे मार्ग पर भी राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कई वरिष्ठ नेता और मंत्री वहां पहुंचे, जिनमें कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और मंत्री विजय चौधरी शामिल हैं। मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि पूरी प्रक्रिया पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार सुचारू रूप से चल रही है और किसी प्रकार की कोई बाधा नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं पूरी प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं। उधर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने में जुटी है। भाजपा विधायक दल के नेता के चयन के लिए 14 अप्रैल को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान पटना पहुंचेंगे। पार्टी ने उन्हें इस प्रक्रिया के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इस बीच राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री भी शामिल हो सकते हैं। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

## गर्मी के चलते बदला अदालतों का समय : सुबह 8 बजे से शुरू होगी सुनवाई

**जयपुर ( हिंस )।** प्रदेश में बढ़ती गर्मी को देखते हुए राजस्थान हाईकोर्ट सहित सभी न्यायालयों में सोमवार से ग्रीष्मकालीन समय सारिणी लागू कर दी गई है। यह नया समय 28 जून तक प्रभावी रहेगा। हाईकोर्ट प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार अब जोधपुर मुख्यपीठ, जयपुर खंडपीठ और सभी अधीनस्थ न्यायालयों में कार्य सुबह जल्दी शुरू होगा। हाईकोर्ट में न्यायिक कार्य अब सुबह आठ बजे से दोपहर एक बजे तक होगा। इस दौरान न्यायाधीशों के लिए सुबह 10-30 से 11 बजे तक आधे घंटे का मध्यावकाश निर्धारित किया गया है। वहीं, रजिस्ट्री और अन्य कार्यालय सुबह 7-30 बजे से दोपहर एक बजे तक संचालित होंगे, जिसमें कर्मचारियों के लिए 10-30 से 10-45 बजे तक 15 मिनट का ब्रेक रहेगा। जिला एवं सेशन न्यायालयों सहित सभी अधीनस्थ अदालतों में भी समय परिवर्तन लागू किया गया है।

## महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था करना प्रधानमंत्री का एक अभूतपूर्व कदम : बबीता चौहान

**फिरोजाबाद ( हिंस )।** उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था करने को एक अभूतपूर्व कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक कानून नहीं बल्कि नारी तू नारायणी की भावना को धरातल पर साकार करने का माध्यम है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान सोमवार को फिरोजाबाद जनपद के विकास भवन सभागार में नारी शक्ति वन्दन सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची थी। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अध्यक्षा ने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं और विधायी सुधारो पर विस्तार से प्रकाश डाला। बबीता चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जिस बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के संकल्प के साथ शुरुआत की थी, आज वह अपने शीर्ष स्तर पर है। आज बेटियां सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक हर दृष्टि से सुरक्षित और सक्षम बना रही हैं। उन्होंने कहा कि आज पंचायत में 64 प्रतिशत महिलाएं प्रतिनिधित्व कर रही हैं। महिलाएं अब केवल सहभागी नहीं बल्कि डिसीजन मेकिंग की भूमिका में है और अपने कार्यों के माध्यम से समाज के सामने नई मिसाल पेश कर रही हैं। सरकार ने जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक महिलाओं के लिए सुरक्षा कवच तैयार किया है। आज की नारी जागरुक है और अपने अधिकारों के लिए तैयार है और हर क्षेत्र में खुद को साबित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य आधी आबादी को पूर्ण न्याय दिलाना है। जब-जब महिलाओं को अवसर मिला है उन्होंने अपनी योग्यता को साबित किया है। आज महिलाएं पूरी तरह सुरक्षित और सशक्त महसूस कर रही हैं। उन्होंने सम्मेलन में उपस्थित महिलाओं का आह्वान किया है कि वह सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं और समाज के नव निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आशा, आंगनबाड़ी और अध्यापिकाओं के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य आदि उपस्थित रहें।

# जल जीवन मिशन घोटाला : एसीबी ने 10 आरोपियों के खिलाफ की चार्जशीट पेश

**जयपुर ( हिंस )।** भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, राजस्थान (एसीबी) ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) में हुए कथित व्यापक भ्रष्टाचार प्रकरण में बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में चार्जशीट पेश की है। एसीबी महानिदेशक गोविंद गुप्ता के अनुसार प्रकरण में विस्तृत अनुसंधान के बाद एसीबी ने जिन आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र प्रस्तुत किया है, उनमें दिनेश गोयल (मुख्य अभियंता प्रशासन), केडी गुप्ता (तत्कालीन मुख्य अभियंता ग्रामीण), सुभांशु दीक्षित (तत्कालीन सचिव आरडब्ल्यूएसएसएम), सुशील शर्मा (तत्कालीन वित्तीय सलाहकार, अक्षय ऊर्जा), निरिल कुमार (तत्कालीन मुख्य अभियंता, चूरू), विशाल सक्सेना (अधिशाषी अभियंता, निलंबित), अरुण श्रीवास्तव (अतिरिक्त मुख्य अभियंता, सेवानिवृत्त), डीके गौड़ (तत्कालीन मुख्य अभियंता व तकनीकी सदस्य, सेवानिवृत्त), महेंद्र प्रकाश सोनी (अधीक्षण

अभियंता, सेवानिवृत्त) और मुकेश पाठक (निजी व्यक्ति) शामिल हैं। सभी आरोपी वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। एसीबी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति प्राप्त करने के लिए संबंधित विभाग को रिपोर्ट भेजी जाएगी, जबकि अन्य संदिग्धों के विरुद्ध अनुसंधान जारी है। वहीं इस मामले में फरार चल रहे आरोपितों-जितेंद्र शर्मा (एक्जीक्यूटिव इंजीनियर), मुकेश गोयल (सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर) और संजीव गुप्ता (निजी व्यक्ति) के खिलाफ जारी स्थायी वारंट की तामील के लिए एसीबी टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। साथ ही इनकी संपत्तियों का विवरण एकत्र कर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा चुका है और जल्द ही कुर्की (अटैचमेंट) की कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में एसीबी ने सोमवार को सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल को न्यायालय में पेश किया। सुनवाई के दौरान अनुसंधान अधिकारी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महावीर शर्मा के पक्ष को सुनने के बाद न्यायालय ने सुबोध अग्रवाल का दो दिन का पुलिस रिमांड मंजूर किया है। उल्लेखनीय है कि इस बहुचर्चित प्रकरण से संबंधित 11 रिट याचिकाओं पर राजस्थान उच्च न्यायालय में सुनवाई जारी है, जिसकी अगली तारीख 21 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। एसीबी की इस कार्रवाई से प्रशासनिक और तकनीकी महकमे में हड़कंप मच गया है, वहीं आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

## अमृतसर में पुलिस थाने पर ग्रेनेड हमले के पीछे आईएसआई का हाथ, छह गिरफ्तार

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** अमृतसर देहात पुलिस ने जिला पुलिस फरीदकोट और काउंटर इंटेलिजेंस फिरोजपुर के साथ संयुक्त ऑपरेशन में दो पिस्तौल सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने थाना भिंडी सैदां पर हुए ग्रेनेड हमले के पीछे आईएसआई का हाथ होने का दावा किया है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि अमृतसर के गांव चक्क डोगरा निवासी बलजीत सिंह, छोटा फतेहवाल निवासी प्रभ सिंह, बाबा गम चक्क बल्लरवाल निवासी राजबीर सिंह, ठट्ठा राजपूतां निवासी सुखप्रीत सिंह, लोपोके निवासी अजयदीप सिंह उर्फ अजे उर्फ गजनी और सारंगदेव निवासी साहिब सिंह उर्फ साबा को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इस मॉड्यूल को पाकिस्तान की आईएसआई का समर्थन प्राप्त था। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में थे, जो विदेश से इस मॉड्यूल को संचालित कर रहा था। उक्त हैंडलर अपने कारिंदों को पंजाब में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने का काम सौंपता था। डीजीपी ने बताया कि पुलिस संस्थानों को निशाना बनाने के उद्देश्य से इस मॉड्यूल को पूरी तरह कट्टरपंथी बनाया गया था और घटना को अंजाम देने के लिए आरोपियों को अच्छे पैसों का लालच देकर प्रेरित किया जाता था। डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) संदीप गोयल ने बताया

कि जांच के दौरान पता चला कि बलजीत सिंह और प्रभ सिंह ने घरिंडा के पास से दो हैंड ग्रेनेड हासिल किए थे। जांच में यह भी सामने आया कि घटना को अंजाम देने के लिए आरोपियों को बड़ी रकम देने का वादा किया गया था, लेकिन हमले के बाद पाकिस्तानी हैंडलर द्वारा उन्हें बहुत कम पैसे दिए गए। एसएसपी फरीदकोट डॉ. प्रज्ञा जैन ने बताया कि अमृतसर देहाती पुलिस के साथ एक खुफिया अभियान में पुलिस टीमों ने थाना भिंडी सैदां ग्रेनेड हमले के मामले में शामिल दो आरोपियों को फरीदकोट से गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद आगे की जांच के दौरान चार अन्य आरोपियों को अमृतसर से गिरफ्तार किया गया। एसएसपी अमृतसर देहाती सुहेल कासिम मीर ने बताया कि घटना वाले दिन बलजीत सिंह, प्रभ सिंह और राजबीर सिंह एक मोटरसाइकिल पर थाना भिंडी सैदां की ओर गए। उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल थाने से लगभग 1-2 किलोमीटर दूर पास के खेतों में खड़ी की और खेतों के रास्ते पैदल चलते हुए थाने के पीछे पहुंचे। उन्होंने बताया कि बलजीत सिंह और प्रभ सिंह ने पुलिस थाने पर ग्रेनेड फेंके, जबकि राजबीर सिंह ने पूरी घटना की रिकॉर्डिंग की। हमले के बाद आरोपी लगभग तीन से चार घंटे तक खेतों में खड़ी गेहूं की फसल में छिपे रहे।

## आरक्षण की नहीं संरक्षण की आवश्यकता है : सतीश कुमार सिंह

**प्रयागराज ( हिंस )।** विद्या भारती से संबद्ध काशी प्रांत के रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज राजापुर में सोमवार को नवनियुक्त प्रधानाचार्य सतीश कुमार सिंह के नेतृत्व में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इसी क्रम में पद्म विभूषण एवं दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित आशा भोसले को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दोनों विभूतियों को नमन करते हुए प्रधानाचार्य सतीश कुमार सिंह ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान के जनक, महान सुधारक अर्थशास्त्री और दलितों के मसीहा थे। उन्होंने जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ जीवन भर संघर्ष किया और भारत को एक समतामूलक लोकतांत्रिक देश बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि आरक्षण की नहीं संरक्षण की आवश्यकता है। इसी क्रम में उन्होंने आशा भोंसले को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे ि?ल्मों की मशहूर पार्श्वगायिका थीं। लता मंगेशकर की छोटी बहन और दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री आशा ने फिल्मी और गैर फिल्मी लगभग 15-16 हजार गाने गाये हैं और इनकी आवाज के प्रशंसक पूरी दुनिया में फैले हुए हैं। हिंदी के अलावा उन्होंने मराठी, बंगाली, गुजराती, पंजाबी, भोजपुरी, तमिल, मलयालम, अंग्रेजी और रूसी भाषा के भी अनेक गीत गाए हैं। इस अवसर पर विद्यालय की छात्र-छात्राओं ने प्रसिद्ध संगीताचार्य मनोज गुप्ता के निर्देशन में संगीतिक प्रस्तुति के क्रम में गीत एवं भाषण के माध्यम से दोनों विभूतियों का भावपूर्ण स्मरण करते हुए उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन सत्य प्रकाश पाण्डेय ने किया।

## पचपदरा रिफाइनरी रेगिस्तान का रत्न : मुख्य सचिव

**जोधपुर ( हिंस )।** प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने पचपदरा में लगाई गई रिफाइनरी को लेकर कहा यह रिफाइनरी रेगिस्तान का रत्न है। इसमें राजस्थान की भागीदारी है। राज्य सरकार ने इसके लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर समयबद्ध कार्य कर इस ग्रीन फिल्ड प्रोजेक्ट को लोकार्पण तक पहुंचाया है। यह नेशनल रिफाइनरी है। यह हमारे लिए भी बहुत गर्व का पल है। सोमवार सुबह उन्होंने यह बात सर्किट हाउस में मीडिया से बात करते हुए कही। पचपदरा में लगाई गई रिफाइनरी का उद्घाटन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 अप्रैल को आ रहे हैं। इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव जोधपुर आए थे। जहां से वह पचपदरा रवाना हो गए। इससे पहले उन्होंने कहा कि वो खुद केमिकल इंजीनियर हैं। इस दृष्टि से देखें तो एक राष्ट्रीय स्तर की रिफाइनरी आ रही है और यह बहुत गर्व की बात है। यह एक इंफ्रास्ट्रक्चर अचीवमेंट है, जिसके लिए कई सालों तक काम हुआ है। पचपदरा स्थित एचपीसीएल रिफाइनरी देश-प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करने में कारगर होगी।

## अनिल विज ने अपने विभागों में जारी किए आदेश, बिना मंजूरी के नहीं होंगे तबादले

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने अपने अधीनस्थ तीनों विभागों के अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि उनकी स्वीकृति के बगैर कोई भी तबादला नहीं किया जाएगा। विज ने अपने अधीन आने वाले तीन प्रमुख विभागों-परिवहन, बिजली और श्रम में अधिकारियों व कर्मचारियों के तबादलों को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, अब इन विभागों में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी का तबादला मंत्री की पूर्व सहमति के बिना नहीं किया जा सकेगा। इस संबंध में फाइल नोटिंग के माध्यम से स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि तबादलों से जुड़े सभी प्रस्ताव पहले मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किए जाएं। बताया जाता है कि यह निर्णय विभागों में मनमाने तबादलों पर रोक लगाने और कार्यप्रणाली को अधिक अनुशासित बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। पिछले कुछ समय से तबादलों को लेकर उठ रहे सवालों और शिकायतों के बीच यह आदेश अहम माना जा रहा है। इस कदम से जहां एक ओर कर्मचारियों के बीच पारदर्शिता बढ़ेगी, वहीं दूसरी ओर विभागीय कार्यों में स्थिरता भी आएगी। विज के इस आदेश के बाद तीनों विभागों में तबादलों की प्रक्रिया पर सीधा असर पड़ना तय माना जा रहा है।

## तकनीकी खामी से गेटपास बंद किसानों ने सड़क जाम कर जताया विरोध

**यमुनानगर ( हिंस )।** यमुनानगर की जगाधरी अनाज मंडी में गेटपास और बायोमैट्रिक प्रणाली ठप होने से नाराज किसानों ने सोमवार को मंडी के बाहर सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने ट्रैक्टर-ट्रालियां सड़क पर खड़ी कर धरना शुरू कर दिया, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। प्रदर्शन के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। रोडवेज बसें भी जाम में फंस गईं, जिससे यात्रियों को काफी दिक्कत हुई। सूचना मिलने पर सेक्टर-17 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इस दौरान किसानों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। किसानों का कहना है कि तकनीकी समस्या के कारण गेटपास और बायोमैट्रिक सिस्टम काम नहीं कर रहा, जिससे उनकी फसल मंडी में प्रवेश नहीं कर पा रही है।

## हरियाणा में *नारी शक्ति वंदन अभियान* बना महिला सशक्तिकरण का मजबूत आधार : आरती सिंह राव

**नारनौल ( हिंस )।** हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने *नारी शक्ति वंदन अभियान* को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि यह अभियान महिलाओं के राजनीतिक, सामाजिक और मानसिक विकास का मजबूत आधार बनेगा। सोमवार को जारी बयान में उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल अधिकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं की गरिमा, आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार महिलाओं को राष्ट्र निर्माण में बराबरी का भागीदार बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने *नारी शक्ति वंदन अधिनियम* का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से विधायी संस्थाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करना इस सदी का एक ऐतिहासिक और दूरगामी सुधार है। इससे न केवल महिलाओं को राजनीति में प्रवेश के अधिक अवसर मिलेंगे, बल्कि जमीनी स्तर पर नेतृत्व की नई सोच और ऊर्जा भी देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज की महिला हर क्षेत्र चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, विज्ञान हो या प्रशासन

में अपनी क्षमता का लोहा मनवा रही है। सरकार भी विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक स्वावलंबन को प्राथमिकता दे रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने विश्वास जताया कि *नारी शक्ति वंदन अभियान* आने वाले समय में आधी आबादी की आवाज को और अधिक सशक्त बनाएगा। इससे महिलाओं की नीति निर्माण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी और एक संतुलित, समावेशी और मजबूत समाज के निर्माण में अहम योगदान मिलेगा।

# पंजाब में होने वाले धार्मिक समागमों को बनाया जाएगा प्लास्टिक मुक्त

### पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की चेयरपर्सन ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार से मुलाकात की

**पटियाला ( हिंस )।** पंजाब में होने वाले धार्मिक समागमों के दौरान प्लास्टिक-मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की चेयरपर्सन रीना गुप्ता ने सोमवार को श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज से मुलाकात की। समूची संगत से सिंगल-यूज प्लास्टिक और थर्माकोल आधारित उत्पादों के उपयोग से परहेज करने का आग्रह किया गया। उन्होंने बताया कि तख्त श्री केसगढ़ साहिब में हुई बैठक के दौरान पंजाब के लोगों से धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार अपनाने की संयुक्त अपील जारी की गई। रीना गुप्ता ने कहा कि इस अपील के तहत समूची संगत से आग्रह किया गया है कि वे सिंगल-यूज प्लास्टिक और थर्माकोल आधारित उत्पादों के उपयोग से परहेज करें। विशेष रूप से लंगर, प्रसाद और अन्य सेवाओं में। गुरु साहिबानों की शिक्षाओं के अनुरूप सेवा और प्रकृति के सम्मान को ध्यान में रखते हुए पुन: उपयोग योग्य स्टील के बर्तनों का इस्तेमाल किया जाए। ज्ञानी कुलदीप सिंह

गड़गज्ज ने जोर देकर कहा कि धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाए रखने में पर्यावरण की देखभाल भी शामिल है। उन्होंने बढ़ते शहरीकरण के बीच पंजाब के हरित क्षेत्र को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वृक्षों का महत्व और प्रकृति के साथ संतुलन में रहना सिख गुरुओं की शिक्षाओं का अभिन्न अंग रहा है। पर्यावरण और मानव शरीर में तेजी से बढ़ रहे माइक्रोप्लास्टिक्स पर चिंता व्यक्त करते हुए रीना गुप्ता ने कहा कि यह गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल आदतें अपनाने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा कपड़े और जूट के थैलों का इस्तेमाल करने की अपील की। जत्थेदार गड़गज्ज और चेयरपर्सन ने आनंदपुर साहिब में प्लास्टिक-मुक्त होला मोहल्ला पहल की सराहना की, जिसे शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा सिंगल-यूज प्लास्टिक को कम करने के लिए जागरूकता और जमीनी स्तर की कार्रवाई के साथ सफलतापूर्वक लागू किया गया। दोनों ने संयुक्त रूप से अपील की कि बैसाखी और अन्य प्रमुख आयोजनों के दौरान इन प्रयासों को जारी रखा जाए, ताकि सिंगल-यूज प्लास्टिक से बचना लोगों की आदत बन सके। श्री आनंदपुर साहिब में किए गए प्रयोग के आधार पर पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बैसाखी मेले के दौरान तलवंडी साबो में एक जागरूकता स्टॉल स्थापित करने का निर्णय लिया है। चेयरपर्सन ने बताया कि तख्त श्री दमदमा साहिब के प्रबंधन के साथ हाल ही में हुई बैठक में सिंगल-यूज प्लास्टिक पर सख्त प्रतिबंध के साथ एक पर्यावरण-अनुकूल मेले के आयोजन की संयुक्त प्रतिबद्धता दोहराई गई, जो राज्य के लिए एक सकारात्मक उदाहरण है।

# बजाज की पल्सर 180 नए अवतार में लान्च

नई दिल्ली

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी बजाज आटो ने अपनी प्रतिष्ठित पल्सर रेंज में पल्सर 180 को नए अवतार में वापस लान्च कर दिया है। यह बाइक, अब 1.22 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की आकर्षक कीमत पर उपलब्ध है। 2001 में पल्सर 150 के साथ लान्च होकर परफार्मेंस-कम्यूटर सेगमेंट को लोकप्रिय बनाने वाली इस बाइक की वापसी उन ग्राहकों के लिए एक बढ़िया विकल्प है जो पल्सर 150 (शुरुआती कीमत 1.13 लाख रुपये) से अपग्रेड करना चाहते हैं, क्योंकि लगभग 9,000 रुपये के अतिरिक्त खर्च पर उन्हें एक अधिक पावरफुल विकल्प मिल रहा है।

नई बजाज पल्सर 180 में 178.61 सीसी का सिंगल-सिलेंडर डीटीएसआई, एयर-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 17 पीएस की पावर और 15 एनएम का टार्क जनरेट करता है। इसे 5-स्पीड ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है, और इसके आंकड़े 2022 माडल के समान ही हैं, जो भरोसेमंद परफार्मेंस का संकेत देते हैं।

इसका सीधा मुकाबला टीवीएस अपाचे आरटीआर 180 से है, जिसके इंजन के आंकड़े भी लगभग एक जैसे हैं, हालांकि अपाचे में राइडिंग मोड्स की अतिरिक्त सुविधा मिलती है। डिज़ाइन के मामले में, 2026 पल्सर 180 अपने क्लासिक नेकेड स्ट्रीटफाइटर बाडी स्टाइल को बरकरार रखती है। इसमें ए एलईडी हेडलाइट, काम्पैक्ट वाइजर, चौड़ा हैंडलबार, 15-लीटर का कर्वी फ्यूल टैंक, सिंगल-पीस सीट और स्प्लिट ग्रैब रेल्स जैसे फीचर्स मिलते हैं। कंपनी इसे पांच आकर्षक रंग विकल्पों ब्लैक गोल्ड, ब्लैक ब्लू, ब्लैक ग्रे, ब्लैक रेड और व्हाइट में पेश कर रही है, जिसमें स्पोर्टी ग्राफिक्स और रिम स्ट्राइप्स इसे और भी आकर्षक बनाते हैं।

हार्डवेयर की बात करें तो, इसमें दोनों सिरों पर 17-इंच के पहिए और ट्यूबलेस टायर दिए गए हैं। ब्रेकिंग के लिए आगे 280 एमएम और पीछे 230 एमएम के डिस्क ब्रेक मिलते हैं, साथ ही सुरक्षा के लिए एबीएस (एंटी-लाक ब्रेकिंग सिस्टम) भी शामिल है। सस्पेंशन सेटअप में आगे टेलीस्कोपिक फोर्क और पीछे ट्विन शाक एब्जार्बर हैं।

फीचर्स में ब्लूटूथ कनेक्टिविटी वाला डिजिटल मोनोक्रोम एलसीडी स्पीडोमीटर और टाइप-ए यूएसबी चार्जिंग पोर्ट शामिल हैं। सिर्फ एक वेरिएंट में लान्च हुई पल्सर 180, जिसकी कीमत 1,22,490 रुपये है, इसे अपने सेगमेंट की सबसे किफायती मोटरसाइकिलों में से एक बनाती है।

## न्यूज ब्रीफ

### होर्मुज की नाकेबंदी से पहले कच्चा तेल 104 डालर प्रति बैरल पार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट व अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता बिना किसी समझौते के खत्म होने का असर कच्चे तेल की कीमतों पर दिखने लगा है। सोमवार को कच्चे तेल का दाम 104 डालर प्रति बैरल के पार चला गया, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने होर्मुज तक जहाजों की पहुंच रोकने के लिए कदम उठाने की बात कही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड करीब 8 फीसदी की तेजी के साथ 104 डालर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जबकि यूएस बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड में 8.61 फीसदी की तेजी आई है। फिलहाल ब्रेंट क्रूड का भाव 7.07 डालर यानी 7.43 फीसदी की तेजी के साथ 102.3 डालर प्रति बैरल के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड 8.32 डालर यानी 8.62 फीसदी की उछाल के साथ 104.2 डालर पर पहुंच गया है। जानकारों का कहना है कि आयल मार्केट सीजफायर से पहले वाली स्थिति में पहुंच चुका है। बस इतना अंतर है कि अब अमेरिका, ईरान के तेल एक्सपोर्ट को बंद करने जा रहा है, होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही बंद होने के कारण खाड़ी के देश अपना तेल एक्सपोर्ट नहीं कर पा रहे हैं। इसे दुनिया का सबसे बड़ा तेल संकट माना जा रहा है। ईरान रोजाना दो मिलियन बैरल तेल एक्सपोर्ट कर रहा था। यदि होर्मुज बंद रहता है तो इससे दुनिया में कच्चे तेल की सप्लाई और टाइट हो जाएगी।

### पांच किलो वाले घरेलू गैस सिलेंडर की बिक्री 1 लाख प्रतिदिन पार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है, लेकिन भारत में एलपीजी आपूर्ति और दाम स्थिर बने हुए हैं। सरकार ने घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता देकर स्थिति को नियंत्रित रखा है। पश्चिम एशिया में तनाव के चलते वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति बाधित हुई है, लेकिन भारत में पेट्रोल-डीजल और घरेलू गैस की उपलब्धता प्रभावित नहीं हुई है। सरकार ने एलपीजी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। 5 किलो वाले छोटे एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई बढ़ाई गई है और इसके खरीद नियमों में ढील दी गई है। इसी कारण इसकी मांग तेजी से बढ़ी है और अब रोजाना करीब एक लाख सिलेंडर बिक रहे हैं। 23 मार्च से अब तक 13 लाख से अधिक छोटे सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में इसकी दैनिक बिक्री लगभग 77,000 थी, जो अब बढ़कर एक लाख के पार पहुंच गई है। 11 अप्रैल को एक ही दिन में 52 लाख से अधिक सिलेंडरों की डिलीवरी हुई। सरकार ने पीएनजी कनेक्शन विस्तार पर भी जोर दिया है और मार्च से अब तक 4.24 लाख नए कनेक्शन दिए गए हैं, जबकि कुछ उपभोक्ताओं ने एलपीजी कनेक्शन स्वेच्छा से छोड़ दिया है ।

### टेस्ला नई, छोटी और सस्ती इलेक्ट्रिक एसयूवी पर कर रही काम

नई दिल्ली। अमेरिकी कंपनी टेस्ला अब एक बिल्कुल नई, छोटी और सस्ती इलेक्ट्रिक एसयूवी पर काम कर रही है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम चीनी कंपनियों, विशेषकर बीवायडी, के बढ़ते दबदबे और अफार्डेबल इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग के जवाब में उठाया गया है, जिसने पिछले कुछ सालों से टेस्ला के प्रभुत्व में कमी लाई है। मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि टेस्ला ने हाल के हफ्तों में सप्लायर्स से संपर्क करके इस काम्पैक्ट एसयूवी की विस्तृत योजना पर चर्चा की है। यह कार कंपनी के मौजूदा माडल 3 या वाय से पूरी तरह से अलग होगी। इन चर्चाओं में मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस और कम्पोनेंट्स के स्पेसिफिकेशन्स शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक, यह काम्पैक्ट एसयूवी चीन में बनाई जाएगी, और टेस्ला का लक्ष्य इसका प्रोडक्शन यूएस और यूरोप में भी बढ़ाना है। इस नई कार की लंबाई लगभग 4.28 मीटर (करीब 14 फीट) होगी, जो टेस्ला की माडल वाय से छोटी होगी, जिसकी लंबाई लगभग 15.7 फीट है। सूत्रों ने बताया कि टेस्ला इस नई अफार्डेबल इलेक्ट्रिक कार की कीमत अपनी एंट्री-लेवल माडल 3 सेडान से काफी कम रखेगी। माडल 3 की शुरुआती कीमत चीन में 34,000 डालर (लगभग 31.50 लाख रुपए) और अमेरिका में 37,000 डालर (लगभग 35 लाख रुपए) है। हालांकि, इसकी रेंज माडल वाय की 327 मील (करीब 526किमी) की तुलना में कम होगी और इसका वजन भी कम होगा।

# आरबीआई के नए मसौदा नियम : बड़ी सरकारी एनबीएफसी पर बढ़ेगी सख्ती

**1 लाख करोड़ परिसंपत्ति सीमा पार करने पर एनबीएफसी को सख्त नियामकीय ढांचे में रहना होगा**

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के प्रस्तावित मसौदा नियमों से देश की बड़ी सरकारी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) पर नियामकीय दबाव बढ़ सकता है। नए ढांचे के तहत 1 लाख करोड़ रुपए या उससे अधिक परिसंपत्ति वाली एनबीएफसी को ऊपरी स्तर में रखा जाएगा, जिससे वे बैंक जैसी कड़ी निगरानी के दायरे में आ जाएंगी। इस बदलाव को सार्वजनिक क्षेत्र की बड़ी वित्तीय संस्थाओं पर नियंत्रण मजबूत करने के कदम के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (भारतीय रिजर्व बैंक) ने एनबीएफसी (एनबीएफसी) के वर्गीकरण के लिए नया मसौदा तैयार किया है, जिसमें परिसंपत्ति के आधार पर ऊपरी स्तर की सीमा 1 लाख करोड़ रुपए तय की गई है। इस श्रेणी में आने वाली कंपनियों पर बैंकों जैसी सख्त पूंजी, अनुपालन और गवर्नेंस आवश्यकताएँ लागू होंगी। वर्तमान में कई सरकारी एनबीएफसी को मध्यम या निचली श्रेणी में रखा जाता है, लेकिन नई व्यवस्था लागू होने के बाद बड़ी सरकारी एनबीएफसी पहली बार ऊपरी स्तर में आ सकती हैं। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम सार्वजनिक क्षेत्र की बड़ी वित्तीय संस्थाओं पर निगरानी को और मजबूत करेगा। इस बीच, टाटा संस (टाटा संस) का मामला भी चर्चा में है। कंपनी को 2022 से ही ऊपरी स्तर में रखा गया है, हालांकि उसने डि-रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया था। टाटा संस ने ऋण-मुक्त स्थिति का हवाला देते हुए सूचीबद्धता से छूट मांगी है, लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक अभी इस मामले की समीक्षा कर रहा है, जिससे स्थिति स्पष्ट नहीं है। जनवरी 2025 की आरबीआई सूची में 15 ऊपरी स्तर एनबीएफसी शामिल थीं, जिनमें टाटा संस भी एक है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी स्वामित्व वाली एनबीएफसी को लेकर नया मसौदा उनकी स्थिति को अधिक स्पष्ट करेगा, लेकिन टाटा संस जैसे मामलों में अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। नए नियमों के अनुसार, एक बार किसी एनबीएफसी को ऊपरी स्तर में शामिल कर दिया गया तो वह कम से कम पांच वर्षों तक कड़े नियामकीय ढांचे के अधीन रहेगी, चाहे उसकी परिसंपत्तियाँ बाद में घट भी जाएं। इससे कंपनियों को स्थायी अनुपालन की तैयारी करनी होगी। एनबीएफसी सेक्टर के जानकारों के मुताबिक परिसंपत्ति आधारित स्पष्ट मानदंड से नियामकीय अनिश्चितता कम होगी और कंपनियों को अपनी कारोबारी योजनाएं पहले से बेहतर तरीके से बनाने में मदद मिलेगी। हालांकि, इससे अनुपालन लागत और जिम्मेदारियां भी बढ़ेंगी।

### हैचबैक मालिकों के लिए आदर्श अपग्रेड साबित हो सकते हैं बेस्ट 5 विकल्प

नई दिल्ली । कार खरीदने वाले ग्राहक अक्सर माइलेज, ट्रैफिक में हैंडलिंग या बजट को लेकर चिंतित रहते हैं। ऐसे में 5 बेस्ट विकल्प हैचबैक मालिकों के लिए एक आदर्श अपग्रेड साबित हो सकते हैं। इस लिस्ट में सबसे ऊपर है टाटा नेक्सन, जिसकी मुख्य वजह इसकी मजबूती और 5-स्टार ग्लोबल एनकैप सेफ्टी रेटिंग है। इसमें 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल और 1.5-लीटर डीजल इंजन का विकल्प मिलता है। पेट्रोल वैरिएंट शहर में स्मूद ड्राइविंग अनुभव देता है, जबकि डीजल लंबी दूरी के लिए किफायती है। इसका दमदार डिजाइन और रोड प्रेजेंस आपको एक बड़ी गाड़ी चलाने का एहसास कराती है। जो लोग जेब पर भारी न पड़ने वाली और आसानी से सर्विस होने वाली गाड़ी चाहते हैं, उनके लिए ब्रेजा बेहतरीन है। इसमें 1.5-लीटर का भरोसेमंद पेट्रोल इंजन माइल्ड-हाइब्रिड टेक्नोलाजी के साथ आता है, जो बेहतर माइलेज देता है। इसमें अब सनरूफ और 360-डिग्री कैमरा जैसे आधुनिक फीचर्स भी मिलते हैं, जो इसे हैचबैक की कम लागत को एसयूवी के बड़े आकार के साथ जोड़ने का बेहतरीन विकल्प बनाते हैं। अगर आपको पावर और दमदार पिकअप पसंद है, तो महिंद्रा की एक्सयूवी 3गुणाह आपके लिए है। यह अपने सेगमेंट की सबसे पावरफुल गाड़ियों में से एक है, जिसमें 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन 129 बीएचपी तक की ताकत पैदा करता है। इसमें पीछे बैठने वालों के लिए पर्याप्त जगह और फीचर्स की लंबी लिस्ट मिलती है। इसकी मजबूती आपको खराब रास्तों पर भी बेखौफ चलने का भरोसा देती है। शहर की भीड़भाड़ में आसानी से कार चलाने वालों के लिए हुंडई वेन्यू एकदम सही है। यह काम्पैक्ट साइज की एसयूवी है लेकिन अंदर से फीचर्स और टेक्नोलाजी से भरपूर है।

# जीएसटी बदलाव और बाजार दबाव से बीमा कंपनियों के मुनाफे पर असर की आशंका

मुंबई

वित्त वर्ष 2026 की जनवरी-मार्च तिमाही (चौथी तिमाही) में भारतीय बीमा क्षेत्र के मुनाफे पर दबाव बनने की संभावना जताई जा रही है। विश्लेषकों के अनुसार इसका मुख्य कारण खुदरा जीवन और स्वास्थ्य बीमा पालिसियों पर जीएसटी में कमी के बाद इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का नुकसान है। इसके साथ ही शेयर बाजार की अस्थिरता और बान्ड यील्ड में वृद्धि भी बीमा कंपनियों की निवेश आय को प्रभावित कर सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार जीएसटी कटौती के कारण बीमा कंपनियों को आईटीसी का लाभ कम मिल रहा है, जिससे विशेषकर जीवन बीमा कंपनियों के मार्जिन पर असर पड़ सकता है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इसका प्रभाव पहले ही कुछ हद तक कीमतों में शामिल कर लिया गया है, इसलिए मार्जिन मोटे तौर पर स्थिर रह सकते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि सामान्य बीमा कंपनियों पर अपेक्षाकृत कम दबाव रहने की संभावना है, क्योंकि स्वास्थ्य और मोटर बीमा खंड में मांग में सुधार देखा गया है। जीएसटी कटौती के बाद इन क्षेत्रों में बिक्री बढ़ने से कंपनियों के कारोबार को सहारा मिला है। वहीं दूसरी ओर, बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण निवेश आय पर दबाव बढ़ सकता है, जो बीमा कंपनियों की कुल कमाई को प्रभावित कर सकता है। रिपोर्टों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में निजी जीवन बीमा कंपनियों के मुनाफे में लगभग 4 से 5 प्रतिशत तक की गिरावट संभव है, जबकि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मुनाफे पर लगभग 10 प्रतिशत तक असर पड़ सकता है। ब्रोकरेज फर्मों का अनुमान है कि नए व्यवसाय मूल्य में अलग-अलग कंपनियों का प्रदर्शन मिश्रित रहेगा। कुछ कंपनियों में वृद्धि देखने को मिल सकती है, जबकि कुछ में गिरावट का अनुमान है।

**जीवन बीमा कंपनियों की आय पर दबाव, सामान्य बीमा क्षेत्र अपेक्षाकृत स्थिर**

### आईटी नियम संशोधन पर डिजिटल अधिकार संगठनों का विरोध

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित कई डिजिटल अधिकार और पत्रकार संगठनों ने आईटी नियम 2021 में प्रस्तावित संशोधनों को वापस लेने की मांग की है। उनका कहना है कि ये बदलाव आनलाइन अभिव्यक्ति और स्वतंत्र मीडिया पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। दिल्ली की गैर-लाभकारी कानूनी संस्था साफ्टवेयर फ्रीडम ला सेंटर इंडिया, इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन, प्रेस क्लब आफ इंडिया सहित कई पत्रकार संगठनों ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में प्रस्तावित संशोधनों का विरोध किया है। इन संगठनों का कहना है कि ये बदलाव स्वतंत्र समाचार माध्यमों और कंटेंट क्रिएटर्स को सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अधिक नियंत्रण में ला सकते हैं। इससे डिजिटल स्पेस में सेंसरशिप की आशंका बढ़ सकती है। एसएफएलसी इंडिया की संस्थापक मिशी चौधरी ने कहा कि प्रस्तावित संशोधन संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित कर सकते हैं और मौजूदा कानूनी ढांचे को कमजोर कर सकते हैं। संगठनों ने सरकार से इन संशोधनों को तुरंत वापस लेने की मांग की है और व्यापक सार्वजनिक परामर्श की आवश्यकता बताई है।

# सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने और चांदी के भाव में मामूली कमजोरी नजर आ रही है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में आई मामूली कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,52,980 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,53,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,40,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,52,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,40,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

अमेरिका और इजरायल के बीच शांति वार्ता विफल हो जाने के कारण ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि पिछले कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को अमेरिकी और यूरोपीय बाजार मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। लेकिन अब शांति वार्ता विफल हो जाने के कारण बाजार ग्लोबल मार्केट में दबाव बन गया है। डाउ जान्स फ्यूचर्स बड़ी गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव को खत्म करने के लिए पाकिस्तान में होने वाली शांति वार्ता को लेकर बने सस्पेंस के बीच अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान सीमित दायरे में कारोबार होता रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स पिछले सत्र के दौरान 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,816.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.35 प्रतिशत उछल कर 22,902.89 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था। हालांकि अब शांति वार्ता के विफल हो जाने के बाद डाउ जान्स फ्यूचर्स बड़ी गिरावट का शिकार हो गया है। फिलहाल यह सूचकांक 344.57 अंक यानी 0.72 प्रतिशत टूट कर 47,570 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 10,600.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 23,803.95 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,259.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में जारी तनाव को खत्म करने के लिए पाकिस्तान में हुई शांति वार्ता के विफल हो जाने के कारण एशियाई बाजार में भी आमतौर पर दबाव बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बना हुआ है। थाईलैंड स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने के कारण सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं हो रही है। एशियाई बाजार में इकलौता ताइवान वेटेड इंडेक्स फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 35,428.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 442.50 अंक यानी 1.84 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 23,649 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 74.50 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,784.37 अंक के स्तर तक गिर गया है। निक्केई इंडेक्स में भी बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 594.11 अंक यानी 1.04 प्रतिशत फिसल कर 56,330 अंक के स्तर तक आ गया है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 261.54 अंक यानी 1.01 प्रतिशत लुढ़क कर 25,632 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,969.78 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,979.26 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.07 प्रतिशत टूट कर 7,453.13 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

# इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटाया जाना चाहिये : कीरोन पोलार्ड

मुम्बई

**आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम शुरुआत से ही विवादों में रहा है। साल 2023 से लागू होने के बाद से ही कई दिग्गज खिलाड़ियों ने इसका विरोध करते हुए कहा है कि इससे आलराउंडरों को ही नुकसान हो रहा है। ऐसे में इस नियम को हटा दिया जाना चाहिये। वहीं अब मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने भी कहा है कि इम्पैक्ट प्लेयर का विकल्प आलराउंडरों की भूमिका को सीमित कर रहा है।**

इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। पोलार्ड लंबे समय से आईपीएल का हिस्सा हैं। वह 2010 से अलग-अलग भूमिकाओं में आईपीएल से जुड़े रहे हैं और टीम में आलराउडर के तौर पर भी शामिल रहे हैं।

पोलार्ड ने कहा, मैं इस नियम को पसंद नहीं करता हूं पर इसे हटाना मेरे हाथ में नहीं है। इससे केवल ये हो रहा है कि इसने टी20 क्रिकेट में बड़े स्कोर बन रहे हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी इसके पड़ने वाले असर पर अभी तक मैंने धयान नहीं दिया है। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर होने से केवल तब ही लाभ हो रहा है जब कोई टीम लीग गेम में कुछ विकेट गंवा देती है तो भी उसके पास अधिक रन बनाने का अवसर रहता है। उन्होंने जो लोग इस प्रकार के नियम बना रहे हैं उन्हें यह देखना चाहिये कि क्या यह वास्तव में खेल के लिए अच्छा है, टेलीविज़न के लिए अच्छा है, या सिर्फ़ लोगों के लिए फ़ायदेमंद है।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम के साथ, कुछ ऐसे कौशल सेट होत हैं जिनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रयोग नहीं हो रहा है। ऐसें में मेरा मानना है कि उनको इसकी समीक्षा करनी चाहिये। अगर ऐसा नहीं होता हो ये इसी प्रकार जारी रहेगा।

गौरतलब है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित कई खिलाड़ियों ने अलग-अलग मौकों पर इस नियम की आलोचना की है। अक्षर पटेल ने सीजन शुरू होने से पहले कहा, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं एक आल-राउंडर हूं। पहले, आप बैटिंग और बालिंग के लिए एक आलराउंडर चुनते थे।

इस नियम की वजह से, टीम प्रबंधन किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को रखती है, यह सोचकर कि हमें आलराउंडर की क्या जरूरत हैशुभमन गिल भी इसके विरोध में हैं। उनका कना है कि कोई इम्पैक्ट प्लेयर नहीं होना चाहिए। आम तौर पर क्रिकेट 11 खिलाड़ियों का गेम है।

एक अतिरिक्त बल्लेबाज जोड़ने से, मुझे लगता है कि गेम से कौशल समाप्त हो जाता है। उस एक खिलाड़ी से गेम को और भी वन-डाइमेंशनल बना रहा है। गुजरात टाइटन्स के कप्तान ने हाल ही में कहा, मुश्किल विकेट पर 180 या 160 रन का पीछा करना मेरे लिए सपाट ट्रैक पर 220 रन का पीछा करने से ज़्यादा रोमांचक है। इम्पैक्ट प्लेयर नियम 2023 से लागू है।

## न्यूज ब्रीफ

### श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम घोषित, जुएरिया फर्डीस नया चेहरा

**ढाका।** बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने रविवार को श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में 20 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज जुएरिया फर्डीस को पहली बार शामिल किया गया है। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में दाएं हाथ की बल्लेबाज शर्मीन सुल्ताना की सात साल बाद एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है, जिससे टीम के बल्लेबाजी क्रम को अनुभव मिलेगा। टीम की कप्तानी निगार सुल्ताना जोटी के हाथों में होगी, जबकि नाहिदा अख्तर उपकप्तान रहेंगी। जुएरिया फर्डीस अब तक बांग्लादेश के लिए सात अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबले खेल चुकी हैं और इस एकदिवसीय टीम में शामिल एकमात्र नई खिलाड़ी हैं। उनका चयन यह संकेत देता है कि चयनकर्ता आगामी व्यस्त सत्र को ध्यान में रखते हुए युवा खिलाड़ियों को अवसर देना चाहते हैं। श्रीलंका की टीम 17 अप्रैल को बांग्लादेश पहुंचेगी और सीधे राजशाही जाएगी, जहां वनडे सीरीज का आयोजन होगा। दोनों टीमें सीरीज से पहले दो दिन अभ्यास करेंगी। तीन मैचों की यह श्रृंखला 20, 22 और 25 अप्रैल को राजशाही डिवीजनल स्टेडियम में खेली जाएगी। सभी मुकाबले सुबह 9:30 बजे से शुरू होंगे। इसके बाद 26 अप्रैल से दौरा सिलहट में होगा, जहां तीन मैचों की टी-20 सीरीज सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। श्रीलंका की टीम 3 मई को दौरा समाप्त कर वापस लौटेगी। बांग्लादेश एकदिवसीय टीमः निगार सुल्ताना जोटी (कप्तान), नाहिदा अख्तर (उपकप्तान), फरजाना हक, शोभना मोस्टरी, फहीमा खातून, शारमिन अख्तर सुप्ता, रितु मोनी, शोर्ना अख्तर, राबेया खान, शर्मिन सुल्ताना, मरुफा अख्तर, फरिहा इस्लाम त्रिस्ना, सुल्ताना खातून, शांजिदा अख्तर माघला, जुएरिया फर्डीस।

### रोहित मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

**मुम्बई।** मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मैच में अपनी 19 रनों की पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही वह आईपीएल में 6000 रन बनाने वाले मुंबई इंडियंस के पहले बल्लेबाज बने हैं। रोहित ने जैसे ही आरसीबी के खिलाफ अपने 6 रन पूरे किये। उसी के साथ ही उनके 6000 रन परे हो गये। रोहित ने जैकब डफी की गेंद पर छक्का लगाकर ये आंकड़ा हासिल किया। रोहित साल 2011 मुंबई इंडियंस से जुड़े थे। उसके बाद से ही वह इस टीम से खेलते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं सूर्यकुमार सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं। सूर्यकुमार ने 116 मैचों में 3776 रन बनाए हैं। उनके बाद कीरोन पोलार्ड ने 2010 से 2022 तक मुंबई इंडियंस की ओर से 189 आईपीएल मैचों में 3412 रन बनाए हैं। वहीं आईपीएल में एक ही टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रोहित से आगे विराट कोहली हैं। कोहली ने रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम के लिए 271 आईपीएल मैचों में कुल 8840 रन बनाए हैं।

### तेज गेंदबाज अशोक ने अपनी रफ्तार से प्रभावित किया

**चंडीगढ़।** आईपीएल के इस सत्र में गुजरात टाइटंस टीम से खेल रहे युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने अपनी गेंदबाज से सभी को प्रभावित किया है। अशोक ने इस सत्र की शुरुआत पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से की थी। अशोक ने अपने पहले ही मैच में 140-150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचा है। शोक ने इससे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। उसी के कारण उन्हें आईपीएल के लिए गुजरात ने शामिल किया है। इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा। वह कए साधारण परिवार से आये हैं। उन्होंने नेट गेंदबाज के तौर पर राजस्थान रायल्स के लिए काम किया है। इसके बाद उन्हें आईपीएल 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 55 लाख रुपए में खरीदा था पर उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिल सका। इसके बाद गुजरात टाइटंस ने उन्हें 90 लाख रुपए में शामिल किया। अशोक ने फर्स्ट क्लास करियर में 4 मैच खेले हैं, जिसमें 29.71 की औसत के साथ 14 विकेट हासिल किए। वहीं, 7 लिस्ट-ए मुकाबलों में उनके नाम 13 विकेट हैं। अशोक ने अपने टी20 करियर में 10 मैच खेले हैं, जिसमें 15.63 की औसत के साथ 22 विकेट लिए हैं।

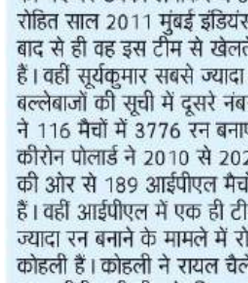

# सब जूनियर हाकी चैंपियनशिप में झारखंड की खिताबी जीत की नायिका रहीं संदीपा ने कहा, यह टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों के लिए अहम मंच

राजगीर

**हाकी झारखंड ने 16वीं हाकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 में लगातार तीसरी बार खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। फाइनल मुकाबले में झारखंड ने हाकी मध्य प्रदेश को 2-1 से हराया। इस पूरे अभियान में संदीपा कुमारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम की सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी बनीं। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में कुल पांच गोल किए। संदीपा ने हाकी इंडिया के हवाले से बताया कि उन्होंने साल 2021 में अपनी बहन और भारतीय महिला हाकी टीम की खिलाड़ी संगीता कुमारी से प्रेरित होकर हाकी खेलना शुरू किया।**

उन्होंने कहा, मैच से पहले दीदी ने मुझे दिल से खेलने, पूरे समय फोकस बनाए रखने और अपनी क्षमता पर भरोसा रखने की सलाह दी। वह हमेशा कहती हैं कि अपने कौशल पर विश्वास रखो और दबाव में भी आत्मविश्वास बनाए रखो। संदीपा ने टूर्नामेंट के महत्व पर कहा, यह प्रतियोगिता हम जैसे युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत अहम मंच है। इससे हमें अपनी प्रतिभा दिखाने और खेल में आगे बढ़ने का मौका मिलता है। उन्होंने आनंदना फाउंडेशन का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके सहयोग से महिला हाकी को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने बताया, हमने टूर्नामेंट से पहले लगातार 15 दिन तक अभ्यास किया। हमारा लक्ष्य साफ था कि हमें फिर से चैंपियन बनना है और हमने पूरी मेहनत की।

फाइनल में दिखाया दम फाइनल मुकाबले को लेकर उन्होंने कहा, हमने पूरे जोश के साथ खेला। एक गोल खाने के बाद भी हमने विश्वास नहीं खोया और अंत तक जीत के लिए प्रयास करते रहे। इस जीत के साथ हाकी झारखंड ने एक बार फिर अपनी मजबूत टीम और शानदार प्रदर्शन का प्रमाण दिया।

### विराट और रोहित चोटिल हुए, अगले मैच में खेलने को लेकर उठे सवाल

**मुम्बई।** रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ हुए मैच में टखने में चोट लग गयी है। जिससे कारण उनके आईपीएल के अगले मैच में खेलने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इससे आरसीबी को झटका लगा है। वहीं मुम्बई के भी पूर्व कप्तान मुम्बई रोहित शर्मा इसी मैच में चोटिल हो गये। इससे मुम्बई की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। विराट की फिटनेस को लेकर आशंकाएं इसलिए भी बढ़ गयी हैं क्योंकि वह मुम्बई की बल्लेबाजी के दौरान मैदान पर नहीं उतरे। हालांकि इस मैच में आरसीबी की टीम जीत गयी। मैच के बाद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार और आलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा कि कोहली के शीघ्र ठीक होने की उम्मीद है। पाटीदार ने कहा, मुझे अभी नहीं पता, लेकिन मुझे लगता है कि वह अभी ठीक हैं। वहीं क्रुणाल ने कहा, मैंने अभी फिजियो से बात नहीं की है पर मुझे लगता है कि वह ठीक हो जाएंगे, चिंता की कोई बात नहीं है। इस मैच में विराट ने हालांकि बल्लेबाज के दौरान फिल साल्ट के साथ 120 रनों की शुरुआती साझेदारी की थी। विराट ने 38 गेंद में ही अर्धशतक लगा दिया था। वहीं इस मैच में मुम्बई के सलामी बल्लेबाज रोहित भी चोटिल हो गये हैं। इसी कारण ही रोहित को पांचवें ओवर के बाद मेडिकल हेल्प लेनी पड़ी। हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण रोहित छठे ओवर की दूसरी गेंद के बाद मैदान से बाहर चले गए। उन्होंने 13 गेंद में 19 रन बनाए और वह वापस मैदान में उतर नहीं पाये। आरसीबी का अगला मैच 15 अप्रैल को जबकि मुंबई इंडियंस का 16 अप्रैल को होना है ऐसे में विराट और रोहित दोनों को अपनी-अपनी चोट से उबरने के लिए कुछ दिन का समय मिलेगा।

# रायल्स के मैनेजर रूमी ने मैडिकल इमरजेंसी के लिए रखा था मोबाइल

गुवाहाटी

**रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ यहां हुए मैच के दौरान डगआउट में मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने के मामले में विवादों में आये राजस्थान रायल्स के मैनेजर रूमी मिंडर मामले में एक नया मोड़ आया है। अब पता चला है कि रोमी के दोनो फेफड़े खराब हैं और इसी कारण किसी भी आपात स्थिति में बचाव के लिए उन्होंने फोन अपने पास रखा था। एक रिपोर्ट के अनुसार फेफड़े खराब होने के कारण उन्हें आईपीएल से पहले करीब एक सप्ताह तक वेंटिलेटर पर रहना पड़ा था।रूमी के हालातों की जानकारी के बाद अब ये मामला पलट गया है।**

वहीं इससे पहले किसी को इस बातों की जानकारी नहीं थी। इसी कारण उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही थी। बीसीसीआई के नियमों के तहत मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों का प्रयोग केवल कुछ अधिकारी ही कर सकते हैं पर केवल सिर्फ ड्रेसिंग रूम में। इसके अलावा, खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को स्टेडियम पहुंचते ही अपने फोन, स्मार्टवाच या अन्य कम्युनिकेशन डिवाइस बंद करके जमा कराने होते हैं।

रूमी को अस्थमा भी है, जिसकी वजह से उन्हें ज्यादा चलने या बार-बार सीढ़ियां चढ़ने से मना किया गया है। वह टीम के साथ हैं और फ्रेंचाइजी के लिए कई जिम्मेदारियां निभाते हैं। उन्हें नियमों की जानकारी है, लेकिन मेडिकल कारणों से ही उनके पास फोन था। वहीं प्रोटोकाल के मुताबिक डगआउट में मोबाइल फोन और लैपटाप रखना अनुमति है। उन्होंने न तो किसी को काल किया और न ही कोई काल रिसीव की। ऐसे में वह अपना जवाब जांच टीम को देंगे जिसके बाद तय है कि उनपर कोई कार्रवाई नहीं होगी।

### टिम डेविड को अंपायर ने लगायी फटकार

**मुम्बई ।** रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज टिम डेविड को गेंद की जांच करने के लिए मैदानी अंपायर ने फटकार लगायी है। खेल के नियमों के अनुसार बल्लेबाजों को गेंद को जांच करने की अनुमति नहीं है। केवल फील्डिंग टीम और अंपायर ही गेंद की जांच कर सकते हैं। इसी कारण जब अंपायर ने टिम को गेंद की जांच करते हुए देखा तो उन्हें सख्त चेतावनी दे दी। इसके बाद टिम ने अंपायर को गेंद वापस कर दी हालांकि कहा कि गेंद का आकर बिगड़ गया है और उसे बदला जाये पर अंपायरों ने इंकार कर दिया। इसी कारण से टिम बार-बार गेंद को हवा में उछालकर उसकी जांच कर रहे थे। टिम ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में 16 गेंदों पर 2 चौकों और तीन छक्कों की सहायता से नाबाद 34 रन बनाकर आरसीबी की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस मैच में आरसीबी ने मुंबई इंडियंस को 18 रन से हराया।

# मास्टर्स 2026 : रारी मैकइलराय की ऐतिहासिक जीत, लगातार दूसरी बार बने चैंपियन

आगस्टा

**रारी मैकइलराय ने शानदार जुझारूपन का प्रदर्शन करते हुए मास्टर्स 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने लगातार दूसरी बार यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता और टाइगर वुड्स के बाद ऐसा करने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए। यह उनके करियर का छठा मेजर खिताब है। विश्व नंबर-2 मैकइलराय की शुरुआत चुनौतीपूर्ण रही। उन्होंने चौथे होल पर डबल बोगी और छठे होल पर बोगी कर दी, लेकिन इसके बाद जबरदस्त वापसी करते हुए अगले सात होल में चार बर्डी लगाईं।**

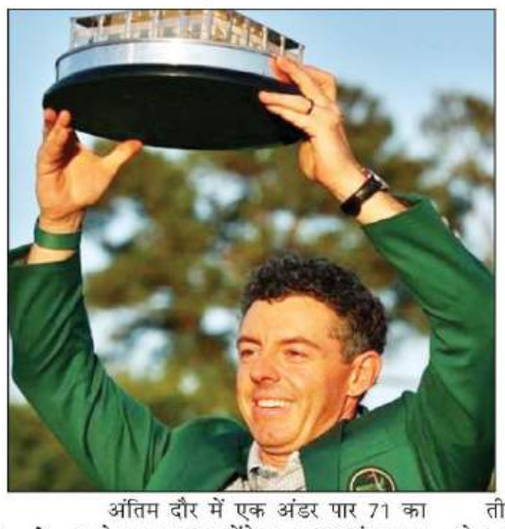

अंतिम दौर में एक अंडर पार 71 का स्कोर बनाकर उन्होंने कुल 12 अंडर पार 276 के साथ खिताब जीता।

उन्होंने विश्व नंबर-1 स्काटी शेफलर को एक स्ट्रोक से हराया। शेफलर ने 68 का शानदार राउंड खेला और कुल 277 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

पिछले वर्ष प्लेआफ में जीत दर्ज करने वाले मैकइलराय ने इस बार शुरू से अंत तक बढ़त बनाए रखी। उन्होंने कहा कि एक ग्रीन जैकेट के लिए 17 साल का इंतजार करना पड़ा, लेकिन अब लगातार दो जीत मिलना उनके लिए बेहद खास है।

टूर्नामेंट के चेयरमैन फ्रेड रिडले ने उन्हें ग्रीन जैकेट पहनाई। मैकइलराय ने पहले दो दिन में ही मजबूत बढ़त बना ली थी और सप्ताहांत में संयमित खेल दिखाते हुए जीत सुनिश्चित की।

अंतिम होल पर उनका शाट पेड्रों के पार चला गया, लेकिन दबाव में शानदार वापसी करते हुए उन्होंने बंकर से गेंद निकालकर दो पुट में बोगी के साथ जीत हासिल की।

तीसरे स्थान पर टाइरेल हैटन, जस्टिन रोज, रसेल हेनले और कैमरन यंग संयुक्त रूप से 278 के स्कोर के साथ रहे।

जीत के बाद मैकइलराय ने अपनी बेटी और पत्नी को गले लगाकर खुशी जाहिर की। यह उनके करियर के सबसे भावुक पलों में से एक रहा।

# 2027 एकदिवसीय विश्वकप में मिलर सहित कई अनुभवी खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे

जोहांसबर्ग

**दक्षिण अफ्रीका की टीम 2027 एकदिवसीय विश्वकप में डेविड मिलर, रासी वैन डेर डुसेन सहित कई स्टार खिलाड़ियों के बिना ही खेलती दिखेगी। इसका कारण है कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने साल 2026-27 सत्र के लिए मिलर सहित कई खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया है। वहीं युवा खिलाड़ियों को पहली बार शामिल किया गया है। मिलर को केन्द्रीय अनुबंध के अलावा हाइब्रिड करार भी नहीं दिया गया है। इससे उनके अंतराराष्ट्रीय करियर पर सवाल उठने लगे हैं।**

मिलर ने कुछ समय पहले कहा था कि वह 2027 विश्वकप खेलना चाहते हैं पर अब उनकी ये इच्छा अधूरी ही रह जाएगी। मिलर के अलावा रासी वैन डेर डुसेन को इाइब्रिड करार नहीं मिला। वहीं बल्लेबाज रीजा हैनरिक और तेज गेंदबाज नांद्रे बरगर भी करार में जगह हासिल नहीं कर पाये हैं। इस बार दक्षिय अफ्रीका बोर्ड ने नये खिलाड़ियों को अधिक अवसर दिया है। इस बार सीएसके ने युवा खिलाड़ियों डेवाल्ड ब्रैविस, कोर्बिन बास, आंटेरिन बार्टमैच जैसे युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताते हुए अनुबंध यसूची में शामिल किया है। इसके अलावा आफ स्पिनर सिमोन हार्मर को भी पहली बार करार मिला है।

इस बार उन घरेलू खिलाड़ियों को भी अवसर दिया गया है। जो भविष्य में इंटरनेशनल क्रिकेट खेल सकते हैं। चयन संयोजक पैट्रिक मोरोनी ने कहा, आगे का सत्र काफी व्यस्त और अहम होने वाला है, इसलिए टीम में अनुभवी के साथ ही नए खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। उन्होंने आगे कहा, 2027 एकदिवसीय विश्वप कप को ध्यान में रखते हुए हमने ऐसे खिलाड़ियों को चुना है, जिनमें बड़े टूर्नामेंट जीतने की क्षमता और सही मानसिकता है। उसकी अनुबंध सूची में टेम्बा बावुमा, एडेन मार्करम, कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, केशव महाराज, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन और काइल वेर्रेयन जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं।

### नेमार हर मैच के साथ ही बेहतर हो रहे : मैनेजर कुका

**रियो डी जेनेरो।** स्टार फुटबालर नेमार आगामी विश्वकप को देखते हुए ब्राजील की टीम में जगह पाने के प्रयासों में लगे हुए हैं। इसी कड़ी में नेमार सैंटोस और एटलेटिको मिनेरो के बीच हुए मैच के दौरान पूरे समय मैदान में बने रहे। इस मैच से वापसी करते हुए नेमार को पूरे समय खेलते देकर प्रशंसक भी उत्साहित दिखे। वहीं टीम के मैनेजर कुका ने भी नेमार के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह इसी प्रकार खेलते रहे तो जून में होने वाले विश्वकप में ब्राजील की टीम में उनकी जगह पक्की हो सकती है। कुका ने कहा, नेमार हर मैच के साथ ही बेहतर हो रहा है, उसे टीम में वापसी के लिए मेहनत करते रहना होगा। उसका खेल लगातर निखर रहा है। ।, कुका ने कहा कि वह मंगलवार को रेकोलेटा के साथ सैंटोस के खिलाफ होने वाले घरेलू कोपा अमेरिका मैच में भी खे सकता है। उन्होंने कहा, उसके लिए पूरे 90 मिनट खेलना जोखिम भरा है। हमें उसे खेल का आनंद लेते हुए लय हासिल करते देखना अच्छा लग रहा है। नेमार, जो 128 इंटरनेशनल मैचों में 79 गोल के साथ ब्राजील की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी पर अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट टूटने के बाद से ही वह ब्राजील से नहीं खेल पाये हैं। इसके बाद से ही वह लगातार फिटनेस से जुड़ी परेशानियां झेल रहे हैं। पिछले साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब में लौटने के बाद से वह सैंटोस के लिए 35 मेच से लगातार उतर रहे हैं। ब्राजील के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी के विश्व कप के लिए टीम की घोषणा से पहले उनके पास सैंटोस के लिए अपनी फिटनेस साबित करने के लिए 10 और गेम हैं।

# रोंगाली बिहू

## संस्कृति, भोजन और संगीत का एक भव्य उत्सव

असम का रोंगाली बिहू, जिसे बोहाग बिहू भी कहते हैं, अप्रैल महीने में असमिया नव वर्ष के स्वागत के लिए मनाया जाता है। यह नृत्य, संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का एक आनंदमय उत्सव है, जिसमें बुजुर्गों और उन सभी चीजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है जो वर्ष के अस्तित्व में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। इस वर्ष रोंगाली बिहू 14 अप्रैल से 21 अप्रैल तक मनाया जाएगा। रोंगाली बिहू असम में वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है। इस दौरान प्रकृति अपनी लय में ढल जाती है और उसके सभी तत्व मिलकर असम के वातावरण को मधुर और आनंदमय बना देते हैं। प्रवासी पक्षियों के मधुर गायन से लेकर खिलते हुए ऑर्किड तक, प्रकृति एक खूबसूरत पृष्ठभूमि तैयार करती है जिसका लोग नृत्य, संगीत और सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से आनंद लेते हैं। राति बिहू और जेंग बिहू को असमिया संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं के रूप में माना जा सकता है। प्रागैतिहासिक काल से लेकर बीसवीं शताब्दी के मध्य तक, असम की ब्रह्मपुत्र घाटी के कई गांवों में प्रकृति के बीच राति बिहू और जेंग बिहू का आयोजन किया जाता था। भारत की स्वतंत्रता के बाद से, सामाजिक-सांस्कृतिक, शैक्षिक, आर्थिक, राजनीतिक और व्यावसायिक परिस्थितियों में बदलाव के कारण अधिकांश गांवों ने ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करना बंद कर दिया है। अब ये कार्यक्रम प्रकृति के बीच आयोजित नहीं होते, बल्कि रोंगाली बिहू उत्सव के एक भाग के रूप में प्रतीकात्मक रूप में आयोजित किए जाते हैं। राति बिहू और जेंग बिहू को गोस्तोलोर बिहू (पेड़ के नीचे बिहू), बोनोर बिहू (जंगल का बिहू) और माइकी बिहू (महिलाओं का बिहू) के नाम से भी जाना जाता है। इन दोनों कार्यक्रमों को राज्य के भीतर और बाहर, साथ ही विश्व स्तर पर अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रदर्शित किया गया है और इन्हें काफी सराहना मिली है। रात में राति बिहू का आयोजन किसी पेड़ के नीचे या घने बांस के झुरमुट के बीच किया जाता था। असमिया भाषा में रात का अर्थ *राति* होता है, इसीलिए इसका नाम राति बिहू पड़ा। रोंगाली बिहू में राति बिहू में बड़े लड़के-लड़कियों का एक समूह शामिल होता है। लड़के ढोल, ताल और पेपा जैसे वाद्य यंत्र बजाते हैं, जबकि लड़कियां गगना, तोक्का और सुतुली बजाती हैं। राति बिहू के बिहुनम या गीत आम तौर पर प्रेमपूर्ण और भावुक होते हैं, लेकिन इनमें प्रकृति, संस्कृति और जीवनशैली जैसे विषय भी शामिल होते हैं। राति बिहू के बिहुनाम की एक अनूठी विशेषता यह है कि लड़के और लड़कियां अपने प्रेम भावों को व्यक्त करने और प्रेम संबंधी प्रश्नों के उत्तर देने के लिए गीतों का उपयोग करते हैं। इस प्रकार किए जाने वाले बिहुनाम को जोरणम कहा जाता है। इससे लड़के और लड़कियों के लिए प्रेम प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करना आसान हो जाता था। ऐतिहासिक रूप से, कुछ जोड़े राति बिहू में भाग लेने के तुरंत बाद शादी कर लेते थे। जेंग बिहू दिन के समय किसी पेड़ के नीचे या घने जंगल के बीच में आयोजित किया जाता था। रोंगाली बिहू के दौरान, वयस्क लड़कियों का एक समूह गाते हुए और गगाना, शुतुली और टोका जैसे वाद्य यंत्र बजाते हुए बिहू नृत्य करता है। टोका मुख्य वाद्य यंत्र है; इसलिए इसे टोका बिहू और गाभोरु बिहू के नाम से भी जाना जाता है। जेंग बिहू नाम असमिया शब्द जेंग से लिया गया है, जिसका अर्थ है *प्यारी लड़की* या *औरत*। इसमें पुरुषों की कोई भागीदारी नहीं होती। जेंग बिहू में गाए जाने वाले बिहूण आम तौर पर रोमांटिक होते हैं, लेकिन कामुक नहीं। प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति, जीवनशैली, आजीविका, नदियों और झरनों जैसे विषयों पर भी अक्सर बिहूण गाए जाते हैं। *एक बार फिर से आपका स्वागत है, आपका स्वागत है* मेरे पति के लिए मैं एक अच्छा साथी बनना चाहता हूं? क्या आपने कभी सोचा है कि आप क्या चाहते हैं? हुंचारी, रोंगाली बिहू का सबसे व्यवस्थित और अनुशासित कार्यक्रम है, जिसमें वाद्य यंत्रों के साथ बिहुनाच और बिहुनाम प्रस्तुत किए जाते हैं। यह केवल मनोरंजन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि इसका आध्यात्मिक महत्व भी है। मंगलधानी इसका सबसे प्रमुख भाग है। हुंचारी दल घर के आंगन में प्रवेश करते समय एक विशेष आध्यात्मिक भजन गाता है, जिससे ईश्वर की आराधना होती है और परिवार को चौतरफा समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। दूसरे भाग को हुंचारी-दिहा कहा जाता है। इसमें समूह एक विशेष शैली में बिहुनच करता है, जिसमें वे विशिष्ट कदमों के साथ एक वृत्त में चलते हैं। बिहुनम रचनाएं आमतौर पर संस्कृति, त्योहारों, पौराणिक कथाओं और ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित होती हैं। अंतिम चरण बिहू है, जो सबसे विस्तृत और मनोरंजक भाग है। हुंचारी दल अनेक वाद्ययंत्रों के साथ ऊर्जापूर्ण बिहू नृत्य प्रस्तुत करता है, जिसके बाद वे अंतिम चरण, जिसे आशीर्वाद कहा जाता है, की ओर बढ़ते हैं। परिवार श्रद्धापूर्वक बिहू नृत्य करता है और दल परिवार को आशीर्वाद देता है। पहले केवल पुरुष ही इसमें भाग लेते थे, लेकिन अब दोनों लिंगों के लोग समान रूप से भाग लेते हैं। कोलपोनार जागोरोट ओ मोइना, फुरु नू ऊटी भाभी, तुरेई नू कोथा भाभी डोलोनी पोथारोट है ओई जान ओई, जोरोनु मोई मोहोरे हाल बिहुनाम, जिन्हें बिहुगीत भी कहा जाता है, राति बिहु, जेंग बिहु और हुंचारी के विशिष्ट गीत हैं। बेशक, बिहुनाम में प्रेम गीतों की संख्या अधिक है, लेकिन उनमें से कुछ काफी कामुक भी हैं। इसके अलावा, असम के समृद्ध प्राकृतिक वातावरण के हर पहलू और घटक पर बिहुनाम गीत मिलते हैं। इसके अतिरिक्त, बिहुनम में असमिया कृषक समुदाय से जुड़ी कई चीजों, गतिविधियों और समस्याओं का चित्रण किया गया है। अधिकांश बिहुनम दुलारी-चंद्र शैली में रचे गए हैं। राति बिहु और जेंग बिहु में बिहुनम गाने का मूल तरीका कई छंदों को लगातार समूह में गाना है, जबकि जटनाम गायन की एक शैली है जिसमें जट नामक चयनित अंश के कई चक्र गाए जाते हैं। जोरानाम एक लड़के और लड़की

के बीच प्रेम को छंदों के माध्यम से व्यक्त करता है, जबकि मलिता कई छंदों का संयोजन गाती है जो एक कहानी सुनाते हैं या किसी रोमांचक घटना का वर्णन करते हैं। रोंगाली बिहू का बिहुनाम आमतौर पर दुचापरिया-चपारी नामक लय में गाया जाता है, जिसका अर्थ है लगातार दो बार ताली बजाना। बिहुनाच, रोंगाली बिहू और असमिया संस्कृति का मूल नृत्य रूप है। बिहुनाच, बिहुनाम की ही तरह दुचापारिया-चापारी लय पर किया जाता है। यही बात इसे अन्य लोक नृत्य रूपों से अलग करती है। बिहुनाच में कलाकार की प्रत्यक्ष और आंतरिक सुंदरता दोनों ही अभिव्यक्त होती हैं। रोंगाली बिहू नृत्य के माध्यम से वे आनंद, प्रेम, प्रसन्नता और रोमांच जैसी भावनाओं को व्यक्त करते हैं। इसके अलावा, वे पूरे प्रदर्शन के दौरान मुस्कुराते रहते हैं। बिहूनाच का एक और उल्लेखनीय तत्व चेहरे पर, विशेष रूप से आंखों और होठों पर, सच्ची मुस्कान और आनंद की अभिव्यक्ति है, साथ ही यह तथ्य भी कि किसी भी मुद्रा का कोई विशिष्ट अर्थ नहीं होता है। महिला नर्तकियां मूगा रिहा, मेखेला और ब्लाउज तथा पारंपरिक असमिया आभूषण पहनती हैं। वे अपने बालों को कोपोफुल (फॉक्सटेल ऑर्किड) से सजाती हैं। पुरुष धोती, मूगा कमीज, बिहुवान और टोंगली पहनते हैं। वर्तमान में, रोंगाली बिहू एक से तीन दिनों तक चलने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता है। बोहाग महीने के दौरान, राज्य के विभिन्न हिस्सों में, शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों सहित, सैकड़ों ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बिहुतोली, बिहु-मेला, बसंत-उत्सव और बिहु-संमिलन जैसे अनेक नामों से जाना जाता है। वर्तमान बिहुतोली में आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बिहु प्रतियोगिताएं, हुंचारी, जेंग बिहु, बिहुनाच और ओजा ढोल-बदन का प्रदर्शन, जातीय समूहों के पारंपरिक नृत्य और संगीत, और आधुनिक असमिया गीतों और पश्चिमी वाद्य यंत्रों के साथ आधुनिक बिहुगीत पर प्रसिद्ध कलाकारों की प्रस्तुतियां शामिल हैं। इसके अलावा, बिहु संस्कृति पर सेमिनार, व्याख्यान और चर्चा सत्र भी आयोजित किए जाते हैं। अधिकांश मंच आधारित बिहुतोली रोंगाली बिहु के दौरान दो या तीन प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करते हैं, जिनमें से वर्तमान में प्रसिद्ध कलाकारों की प्रस्तुतियां सबसे लोकप्रिय हैं। बोहागी अदोरोन और बोहागी बिदाई जैसे कार्यक्रम व्यापक रूप से प्रचलित हैं। इस प्रकार का बिहुतोली खुले मैदान में बिना मंच के आयोजित किया जाता है। इसमें केवल हुंचारी, जेंग बिहु और बिहुनाच जैसी पारंपरिक गतिविधियां ही शामिल होती हैं, आधुनिक संगीत या वाद्य यंत्रों का प्रयोग नहीं किया जाता। ये मंच आधारित बिहुतोली की तुलना में कम भव्य होते हैं और आमतौर पर गांवों में आयोजित किए जाते हैं। बिहू प्रतियोगिताएं बिहूनाच, बिहूनाम, जेंग बिहू और हुंचारी जैसे पारंपरिक नृत्य रूपों के संरक्षण और अभ्यास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। बिहूनाच मुख्य रूप से एक समूह नृत्य है, लेकिन रोंगाली बिहू समारोह में हाल ही में बिहूवती नामक एक नई प्रकार की बिहू प्रतियोगिता शुरू की गई है, जो अधिक व्यक्तिगत भावना को दर्शाती है। बिहूवती प्रतियोगिता में, केवल

एक बिहूवती, या महिला नर्तकी, बिहूनाम गाते हुए और विभिन्न वाद्य यंत्र बजाते हुए बिहूनाच का प्रदर्शन करती है। पुरुष संगीतकारों और गायकों का एक समूह बैकअप प्रदान करता है। इनाम केवल बिहुवती को दिया जाता है। रोंगाली बिहू के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताएं बिहू हुंचरी प्रतियोगिता, बोर बिहुवती, मौ कुवोरी, बिहु सामरागी, बिहु कुवोरी और बिहू रानी प्रतियोगिताएं हैं। रोंगाली बिहू उत्सव में पारंपरिक भोजन तैयार किया जाता है और परिवार, दोस्तों और पड़ोसियों के साथ साझा किया जाता है, जिसमें पीठा से लेकर प्रोटीन युक्त व्यंजन तक शामिल होते हैं। बिहू असम में अप्रैल में मानसून के स्वागत का भी उत्सव है। कई प्रकार के पीठा, जैसे नारियल से बना पीठा, तिल से बना पीठा, टेकेली पीठा और अन्य, विशेष रूप से दावतों के लिए तैयार किए जाते हैं। रोंगाली बिहू के दौरान, लोग 101 जड़ी-बूटियों से बना एक विशेष व्यंजन तैयार करते हैं। असम के लोगों का मानना है कि इस व्यंजन में इस्तेमाल होने वाली जड़ी-बूटियों में औषधीय गुण होते हैं जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। लोग पारंपरिक व्यंजनों में इन पौधों का उपयोग करने के लिए स्थानीय जंगलों से इन्हें इकट्ठा करते हैं। रोंगाली बिहू उत्सव के अवसर पर घर पर लाल चींटी का व्यंजन बनाने की भी परंपरा है, जिसे स्थानीय रूप से अमरालु पोरुआर तोप के नाम से जाना जाता है। इस दिन बनाया जाने वाला एक अन्य व्यंजन है चाटोर तोरकारी, जो एक प्रकार की मिश्रित सब्जी है जिसे गोरू बिहू पर गायों को खिलाई गई सभी सब्जियों को पकाकर बनाया जाता है। जैसा कि प्रसिद्ध शेफ अतुल लाहकर ने कहा कि ऐसी दुनिया में जहां आधुनिक आहार अक्सर पोषण मूल्य की तुलना में सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, असमिया व्यंजनों की पारंपरिक प्रथाएं प्रकृति की लय के अनुसार खाने में निहित ज्ञान की याद दिलाती हैं।

শর্মা হার্ডওয়েৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road, Athgaon
Guwahati-781001
98648-02947
70025-06581

S.S.Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings, Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet, ABC,
G.S. Road, Guwahati - 781005
Cell : 97079-99344
E-mail : doorgraph@gmail.com

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**